हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 235 बेमेतरा, रविवार 19 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

महिला आरक्षण में रुकावट पैदा करने वालों को माफ नहीं करेंगी देश की महिलाएं : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है जिन राजनीतिक दलों ने लोकसभा में नारी वंदन संशोधन अधिनियम को पारित नही होने दिया और महिलाओं को उनका अधिकार देने से रोकने का काम किया उन दलों को देश की महिलाएं कभी माफ नहीं करेंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन दलों ने यह अपराध किया है, उन्हें देश की महिलाएं कभी बर्दाश्त नहीं करेंगी और जब भी इन दलों के वह देखेंगी तो इसकी कसक उनके हृदय पटल पर रहेगी।

मोदी ने शनिवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि विपक्षी दलों ने महिलाओं का जो अपमान किया है उसकी सजा देश की नारी जरूर देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं के साथ न्याय नहीं करने का पाप किया है। उन्होंने कहा की नारी के दशकों से लटके हक को 2029 से दिया जाना था लेकिन

उन्हें नए अवसर नहीं दिया गया और महिलाओं के उड़ान भरने में बढ़ाएं पैदा की गई।

उनका कहना था कि देश की नारी को ईमानदारी के साथ न्याय देने का एक पवित्र कार्य था और इसमें देश के हर राज्य में महिलाओं को शक्ति की आवाज देने का प्रयास था। उनकी सरकार ने समान अनुपात में शक्ति बढ़ाने की कोशिश थी लेकिन कांग्रेस तथा उसकी सहयोगियों ने देश के सामने 'भ्रूण हत्या' करने का काम संसद में किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ ही समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और टीएमसी जैसे दल इस अपराध के आरोपी हैं। उनका कहना था कि कांग्रेस ने हर बार महिलाओं को आरक्षण देने के काम में रोड़े अटकाए हैं और इस बार भी कांग्रेस तथा उसके साथियों ने महिला आरक्षण को रोकने के लिए एक के बाद एक नये झूठ का सहारा लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस तथा उनका साथ देने वाले दलों ने देश को गुमराह करने का काम किया है और इससे उसका मुखौटा उतर गया है। कांग्रेस पहले ही देश की ज्यादातर हिस्सों में अपना वजूद खो चुकी है और इस नारी शक्ति विधेयक का विरोध कर उसने अपनी रही सही साख को भी खो दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा की नारी वंदन विधेयक को उन सभी दलों ने पारित नहीं होने दिया है जो परिवारवाद को बढ़ावा दे रही है। उनका कहना था कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता तो इनके परिवार वाद को बढ़ाने की राजनीति को इससे बड़ा खतरा पैदा हो सकता था। उन्होंने कहा कि देश की नारी कांग्रेस को इस पाप के लिए कभी माफ नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा विभाजन की राजनीति को बढ़ावा दिया है और इसी का परिणाम है कि वह परिसीमन को लेकर के गलत बयानबाजी कर प्रचार करती रही है।

उन्होंने कहा कि यह बिल सभी राज्यों के लिए एक अवसर था और यदि परिसीमन को लागू करने वाला यह विधेयक पारित होता तो सभी राज्यों में जनप्रतिनिधियों की संख्या बढ़ती और तमिलनाडु तथा अन्य सभी राज्यों में जनता की आवाज ज्यादा संख्या में विधानसभा और लोकसभा में पहुंचती लेकिन तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी आदि सब इसमें चूक गये।

मोदी ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने तो लोहिया के विचारों को पूरी तरह से रौंद कर रख दिया है और अब उसके नारी वंदन अधिनियम का विरोध कर महिलाओं को भी अपमानित करने का काम किया है। इस विधायक का विरोध करने पर उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और कहा कि उसने देश में सुधार की हर सुधार के प्रयास का विरोध किया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम के सम्बन्ध में राष्ट्र के नाम प्रसारित संबोधन का श्रवण किया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम के सम्बन्ध में राष्ट्र के नाम प्रसारित संबोधन का श्रवण किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम के सम्बन्ध में राष्ट्र के नाम प्रसारित संबोधन का श्रवण किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, महापौर मीनल चौबे और महिला बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा सहित अन्य महिला जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

देवखोल में अवैध कोयला खनन पर बड़ी कार्रवाई, 6 टन से अधिक कोयला जब्त

रायपुर। कोरिया जिला के पटना तहसील अंतर्गत देवखोल जंगल में अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने व्यापक कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में कोयला जब्त किया है। खनिज, वन, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने सघन अभियान चलाकर अवैध सुरंगों को ध्वस्त किया और मौके से करीब 150 बोरी यानी 6 टन 61 किलो अवैध कोयला बरामद किया। जिले में गठित टास्क फोर्स के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में एसडीएम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने सुरंगों के भीतर प्रवेश कर कार्रवाई की और कोयले के साथ-साथ फावड़ा, गेती, विद्युत

संयुक्त टीम की ताबड़तोड़ छापेमारी, सुरंगों में घुसकर कार्रवाई, उपकरण भी बरामद, प्रशासन ने बढ़ाई सख्ती

पंप, फुटबॉल पाइप तथा बड़ी मात्रा में बिजली के तार भी जब्त किए। इससे यह स्पष्ट होता है कि अवैध उत्खनन संगठित रूप से संचालित किया जा रहा था। इस मामले में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग के अनुसार देवखोल क्षेत्र में पूर्व में भी अवैध खदानों को ब्लास्ट कर बंद किया गया था। एसईसीएल के माध्यम से सुरंगों को सील करने की कार्रवाई लगातार की जा रही है, लेकिन कुछ लोग इन्हें दोबारा खोलने का प्रयास करते हैं। हाल ही में पटना पुलिस द्वारा भी 3 टन 200 किलो अवैध कोयला जब्त कर बीएनएस की धारा 106 के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध कोयला उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। वनमंडलाधिकारी ने भी कहा कि ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए नियमित अभियान चलाया जाएगा और आगे और सख्ती बरती जाएगी। प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में आजीविका के पर्याप्त साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि लोग अवैध गतिविधियों से दूर रहें।

वी-बीजी रामजी (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन) के तहत स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है। ग्राम पंचायत मुरमा एवं आसपास के क्षेत्रों में 20.07 लाख रुपये के विकास कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें भूमि समतलीकरण, डबरी निर्माण और तालाब गहरीकरण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026-27 के लिए लगभग 54 लाख रुपये के 30 कार्य प्रस्तावित हैं, जिन्हें मांग के आधार पर क्रियान्वित किया जाएगा। जिला कलेक्टर ने इस जोखिमपूर्ण कार्य से ग्रामीणों को दूर रहने की अपील करते हुए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों और स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए जिला पंचायत के सीईओ को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

ऐतिहासिक रहा बजट सत्र, कांग्रेस पर लगा महिला विरोधी होने का अमिट दाग : रिजिजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा है कि समाप्त बजट सत्र ऐतिहासिक रहा है लेकिन इस सत्र में कांग्रेस तथा उसके सहयोगी दलों पर महिला विरोधी होने का जो दाग लगा है वह कभी मिटेगा नहीं और आक्रोशित देश की महिलाएं अपने अधिकार छीनने के लिए इन दलों को कभी माफ नहीं करेगी। रिजिजू ने संसद भवन परिसर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संसद के बजट सत्र की 16 अप्रैल से शुरु हुई तीन दिन की विस्तारित बैठक में नारी वंदन अधिनियम लाया गया लेकिन दो दिन चली चर्चा

के बाद कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के अन्य दलों के महिला विरोधी होने के कारण इसे पारित नहीं किया जा सका। उन्होंने इस विधेयक का विरोध करने के लिए विपक्षी दलों पर तीखा हमला किया और कहा कि कांग्रेस के साथ ही जो भी राजनीतिक दल महिलाओं के अधिकार छीनने के लिए इस विधेयक के विरोध में खड़े हुए उन्हें देश की महिलाएं कभी माफ नहीं करेंगी क्योंकि यह कांग्रेस तथा उसके सहयोगियों ने बहुत बड़ा पाप किया है। उन्होंने कहा कि बजट का आज अंतिम दिन था और पूरे बजट सत्र के 81 दिनों की अवधि में सदन की कुल 31 बैठकें हुई।

नगर निगम के 4 अधिकारी निलंबित, आयुक्त बोले-विभागीय और विधिक जांच भी होगी

रायपुर। नगर निगम में 100 करोड़ से ज्यादा के भ्रष्टाचार मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आयुक्त ने चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने बताया कि चार सदस्यीय जांच कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर जोन क्रमांक 10 के तत्कालीन जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, कार्यपालन अभियंता आशीष शुक्ला, इंजीनियर योगेश यादव और अजय श्रीवास्तव के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है। मामले में विभागीय जांच भी की जाएगी। साथ ही विधिक कार्रवाई के साथ-साथ वेतन वृद्धि में भी रोक लगाई जाएगी। बताया जा रहा है कि यह मामला करीब 150 से 159 एकड़ अवैध जमीन को गलत तरीके से वैध बनाने की साजिश से जुड़ा हुआ है। जांच में सामने आया है कि पूरी प्रक्रिया में नगर निगम मुख्यालय को बायपास किया गया और संरचना अनुमोदन व

TMC अप्रूवल में गंभीर अनियमितताएं बरती गईं।

इस मामले की जांच के लिए गठित चार सदस्यीय कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसके आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई। जांच समिति में पंकज शर्मा (अपर आयुक्त, नगर निवेश) को अध्यक्ष बनाया गया था, जबकि आभाष मिश्रा, आशुतोष सिंह और सोहन गुप्ता सदस्य के रूप में शामिल थे। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि जांच के दौरान कई बार मूल नस्ती (दस्तावेज) मांगे जाने के बावजूद उपलब्ध नहीं कराए गए। साथ ही टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के अधिकारियों की मिलीभगत की आशंका भी जताई गई है।

क्या है मामला?

बता दें कि लल्लूराम डॉट कॉम ने 16 अप्रैल को इस खबर को प्रकाशित किया था, जिसमें TNC (टाउन एंड कंट्री प्लानिंग) और मार्ग संरचना अप्रूवल के नाम पर नियम-कानूनों को दरकिनार कर फाइलें पास करने और बाद में मूल दस्तावेजों के गायब होने के आरोप लगे हैं। मामले में प्रक्रिया को बायपास करने, 70 से अधिक खसरा नंबरों की फाइलें गायब होने और अधिकारियों-बिल्डरों की मिलीभगत जैसे गंभीर सवाल उठे हैं।

भ्रष्टाचार के मामले में दो गिरफ्तार

रायपुर। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो और भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो ने बताया कि, भ्रष्टाचार के मामले में आवास योजना घोटाले के आरोपी कियोस्क संचालक को गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य मामले में शिक्षा विभाग में रिश्वतखोरी के मामले में खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को पकड़ा गया है। कोरबा जिले में गरीबों के लिए चलाई गई आवास योजना में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। जांच एजेंसियों ने कियोस्क संचालक गौरव शुक्ला (47) को गिरफ्तार किया है, जिस पर हितग्राहियों के खातों से लाखों रुपये निकालने का आरोप है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ कि वर्ष 2010-11 में जारी आवास योजना की राशि वाले कई निष्क्रिय खातों को बाद में सक्रिय कर उनमें हेरफेर किया गया। आरोपी ने तकनीकी खामियों और बैंकिंग सिस्टम का दुरुपयोग करते हुए करीब 79 लाख

ईरान की संसद के अध्यक्ष ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन तेहरान की अनुमति से ही होगा

ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य फिर कभी बंद न करने पर सहमत: ट्रंप

वाशिंगटन/ तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को दावा किया कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर कभी बंद न करने पर सहमत हो गया है जबकि ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकाबंदी जारी रखता है तो वह जलडमरूमध्य को बंद कर देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, अब इसका (होर्मुज का) इस्तेमाल दुनिया के खिलाफ हथियार के रूप में नहीं किया जाएगा। दुनिया के लिए एक महान और शानदार दिन।

दूसरी ओर, ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगर ग़ालिबाफ़ ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन तेहरान की अनुमति से ही होगा। ईरान की यह चेतावनी ट्रंप के उस बयान के कुछ घंटों बाद आयी है, जिसमें उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य 'पूरी तरह से खुला' है और व्यापार के लिए तैयार है, लेकिन ईरानी

बंदरगाहों की नौसैनिक नाकाबंदी पूरी तरह से लागू रहेगी।

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि चीन के राट्रपति शी जिनपिंग होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने से 'बहुत खुश' हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, चीन में राष्ट्रपति शी से हमारी मुलाकात विशेष और संभवत: ऐतिहासिक होगी। मैं राष्ट्रपति शी के साथ मुलाकात के लिए उत्सुक हूं, इसमें बहुत कुछ हासिल किया जाएगा। ट्रम्प 14 से 15 मई तक चीन की यात्रा पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि ईरान ने यह भी घोषणा की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह से खुला है और सभी जहाजों के आवागमन के लिए तैयार है।

ट्रम्प ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह से खुला है और सभी जहाजों के आवागमन के लिए तैयार है लेकिन ईरान के संबंध में नौसैनिक नाकाबंदी तब तक लागू रहेगी जब तक ईरान के साथ हमारा समझौता शत-प्रतिशत पूरा नहीं हो जाता।

उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति समाप्त होने के बाद, उन्हें नाटो से मदद की पेशकश करते हुए एक कॉल आया था। श्री ट्रम्प ने कहा, मैंने उनसे दूर रहने को कहा था, जब तक कि वे सिर्फ अपने जहाजों में तेल भरना न चाहें। जरूरत पड़ने के समय वे काम नहीं आये, एक कागज़ी शेर हैं।

उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर को उनकी 'महान बहादुरी और मदद' के लिए धन्यवाद दिया।

ट्रंप ने जोर देकर कहा कि यह समझौता किसी भी तरह से लेबनान से जुड़ा नहीं है। ज्लेकिन हम लेबनान को फिर से महान बनाएंगे। उन्होंने कहा कि ईरान ने अमेरिका की मदद से सभी समुद्री बारुदी खदानें हटा दी हैं या फिर वह हटा रहा है।

ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स और सीएनएन समेत अमेरिकी मीडिया पर फिर से हमला करते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि क्या करें। वे ईरान की स्थिति पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करने का बहाना ढूंढ रहे हैं, लेकिन उन्हें मिल नहीं रहा। वे सही समय पर बस इतना क्यों नहीं कह देते, %राष्ट्रपति महोदय, आपने अच्छा काम किया है, और वे अपनी विश्वसनीयता वापस हासिल करना शुरू कर दें। इसी से संबंधित एक अन्य घटनाक्रम में, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) नौसेना ने एक बयान जारी कर जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन के संबंध में एक नया आदेश जारी किया है।

महिला आरक्षण और परिसीमन पर सरकार को घेरते हुए प्रियंका गांधी ने विपक्षी एकता को मजबूत बताया

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित नहीं होने को लोकतंत्र की बड़ी जीत' बताया है।

प्रियंका गांधी शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने और देश के संघीय ढांचे में बदलाव की 'साजिश' कर रही थी, जिसे विपक्ष ने मिलकर विफल कर दिया।

उन्होंने कहा, 'यह संविधान की जीत है, देश की जीत है और विपक्ष की एकता की जीत है। सत्ता पक्ष के नेताओं के चेहरों पर यह साफ दिख रहा था कि उन्हें बड़ा झटका लगा है।' उन्होंने गृह मंत्री और प्रधानमंत्री के बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने संकेत दिया था कि यदि विपक्ष सहमत नहीं होगा तो वह कभी चुनाव नहीं जीत पाएगा। इन बयानों से ही सरकार की मंशा स्पष्ट हो जाती है।

प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर एक ऐसा बिल पास करवाना चाहती थी, जिससे उसे परिसीमन में मनमानी करने की आजादी मिल जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की रणनीति थी कि महिला आरक्षण के नाम पर विपक्ष से समर्थन लेना और उसके बाद परिसीमन प्रक्रिया में स्वतंत्रता हासिल करना।

1 से 15 अप्रैल राजस्व पखवाड़ा: समयबद्ध समाधान से बढ़ा प्रशासन पर विश्वास, मौके पर किया गया 2540 आवेदनों का निराकरण

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

राजस्व विभाग के निर्देशानुसार 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक राजस्व पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिले के सभी तहसीलों के ग्राम पंचायतों में शिविर लगाया गया। जिला प्रशासन सारंगढ़-बिलाईगढ़ द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हेतु संचालित राजस्व पखवाड़ा अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अभियान के प्रथम चरण में कुल 2540 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जिससे आम नागरिकों को त्वरित राहत प्राप्त हुई है। राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों एवं शहरी क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर भूमि संबंधी प्रकरणों जैसे सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा एवं त्रुटि सुधार के साथ-साथ आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य राजस्व मामलों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कहा कि ÷राजस्व पखवाड़ा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र आवेदक को समयबद्ध, पारदर्शी एवं संतोषजनक निराकरण प्रदान करना प्रशासन की प्राथमिकता है।÷ शिविर आधारित व्यवस्था से लोगों को उनके क्षेत्र में ही सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं, जिससे समय एवं संसाधनों की बचत के साथ-साथ प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हो रहा है। कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार राजस्व अमले की सक्रिय भागीदारी से शिकायतों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया, जिससे किसानों के द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे आगामी चरणों में आयोजित होने वाले राजस्व पखवाड़ा शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करें एवं इस जनहितकारी पहल का लाभ उठाएं।

भटगांव मंडल क्षेत्र में चार नई मंडी का शुभारंभ, सुभाष जालान ने फिता काटकर किया उद्धाटन

किसानो के लिए खुशखबरी,धान विक्रय मे मिलेगा राहत

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में बिलाईगढ़ विधानसभा अंतर्गत भटगांव मंडल स्थित ग्राम पंचायत रोहिना, देवसागर, सलिहाघाट एवं धाराशिव में नवीन मंडी का शुभारंभ मुख्य अतिथि रूप में जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के निवर्तमान जिला अध्यक्ष एवं भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुभाष जालान ने फीता काटकर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर सुभाष जालान ने कहा यह मंडी क्षेत्र किसानों के लिए बड़ी सौगात है, जिससे उन्हें अपने कृषि उत्पादों का उचित मूल्य मिलेगा और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की जन कल्याणकारी नीतियों के तहत नवीन मंडियों का शुभारंभ किया गया हैं,जिसमें जनता जनार्दन को अपना कृषि उत्पाद विक्रय हेतु नज़दीकी केन्द्र उपलब्ध हो सके। भाजपा जिला मंत्री रेवती चंद्रा ,मंडल अध्यक्ष धीरज सिंह , महामंत्री द्वय श्याम लाल साहू ,खेलन सिंह यादव ,जगदीश साहू , नप अध्यक्ष विक्रम कुर्रे , उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन ,महेत्तर श्रीवास ,सोमेश बंजारे जी, नारायण साहू ,रूप सिंह साहू ,मनहरन साहू , युवा मोर्चा अध्यक्ष कमल पटेल जी,उमा साहू ,मंडल उपाध्यक्ष हार बाई कुर्रे ,सरपंच ठाकुरदिहा कुंती साहू , रविन्द्र सिंग बनाफर , परमेश्वर साहू , गुलशन महिलाने ,पार्षदगण प्रदीप यादव ,रामकुमार सिदार ,महादेवा यादव , गणेश यादव,सेजेश भटगांव अध्यक्ष सुरेश रघु, सुमंत सोनी ,रमेश साहू ,मंडल मंत्री विशाल चौहन जी,रमेश पटेल ,राजेश पटेल , गणेश यादव सहित बड़ी संख्या में किसान भाई ,नागरिक बंधु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

अपर सत्र न्यायालय घरघोड़ा के न्यायाधीश अभिषेक शर्मा ने हत्या के एक महत्वपूर्ण प्रकरण में आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर एक हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना तमनार के अपराध क्रमांक 16/2021 के तहत दर्ज मामले में मृतक के पुत्र प्रेम साय राठिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 20 जनवरी 2021 को दोपहर के समय जब वह घर से बाहर काम पर गया हुआ था, तब घर में उसके पिता मनबोध राठिया, भतीजा हेम कुमार एवं अवंति राठिया मौजूद थे।

इसी दौरान आरोपी सोनसाय राठिया और मृतक के बीच जमीन बिक्री को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने गुस्से में आकर टांगी से मृतक के गले पर वार कर दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही थाना तमनार में तत्कालीन उप निरीक्षक चक्र सुदर्शन जायसवाल ने मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की और आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर आरोपी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। प्रकरण की सुनवाई के पश्चात न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही न्यायालय ने मृतक के आश्रितों को एक लाख रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान किए जाने की अनुशंसा भी की है। इस मामले में राज्य की ओर से अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने प्रभावी पैरवी की।

खरसिया के ग्राम मदनपुर में मोबाइल टावर में लगी भीषण आग..

रायगढ/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के खरसिया से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां बताया जा रहा है की, ग्राम मदनपुर में बिजली ऑफिस के ठीक सामने स्थित घनी बस्ती में लगे एक मोबाइल टावर में भीषण आग लग गई है। आग की लपटें इतनी भयानक हैं कि देखते ही देखते टावर का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह आग के गोले में तब्दील हो गया, जिससे आसपास के रहवासियों में भारी दहशत का माहौल है।

घटना की भयावहता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना प्रशासन और दमकल विभाग को दी। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन प्राथमिक तौर पर इसे शॉर्ट सर्किट या किसी बड़ी तकनीकी खराबी का परिणाम माना जा रहा है। राहत और बचाव कार्य शुरू करने की तैयारी की जा रही है ताकि रिहायशी इलाके में किसी भी तरह की जनहानि को रोका जा सके।

बेरला नगर के पार्षद प्रतिनिधि युगल पाटिल बने भाजपा युवा मोर्चा बेरला मण्डल अध्यक्ष

बेमेतरा/मूक पत्रिका

लंबे इंतजार के बाद भाजपा युवा मोर्चा बेमेतरा जिले के युवा मोर्चा पदाधिकारियों की घोषणा की गई जिसमें बेरला नगर के पार्षद प्रतिनिधि युगल पाटिल जो लंबे समय से सक्रिय नजर आए उसे पार्टी ने मण्डल अध्यक्ष पद पर नियुक्ति किया गया नियुक्त को लेकर भाजयुमो प्रदेश सदस्य आशीष सोनी ने कहा मण्डल अध्यक्ष मिलनसार व कर्मठ कार्यकर्ता को चुना गया है बेरला मण्डल सक्रिय और रीढ़ को भूमिका निभाने को कार्य करेगा साथ ही मण्डल अध्यक्ष के साथ सभी युवा साथी कंधे से कंधे मिलाकर संगठन की द्वारा दिये हर कार्यो में खरा उतरेगा तो वही बेरला मण्डल में निवासरत भाजपा मंडल अध्यक्ष डोमेन्द्र राजपूत, भाजपा मंडल मंत्री अरविंद ठाकुर, पूर्व मण्डल अध्यक्ष दीक्षांत साहू, पूर्व जिला सोशल मीडिया सह प्रभारी नितेश सोनी,मनोज सोनी,हितेश्वर निर्मलकर,लालू साहू,मोहित चतुर्वेदी ,सुरेश यदु,लेखराम साहू ,नवीन देवांगन ,विक्की साहू सहित सभी कार्यकताओं ने बधाई प्रेषित करते हुए हर्ष व्यक्त किया है ।

उत्कर्ष योजना में इम्पैनलमेंट हेतु आवासीय विद्यालयों से 23 अप्रैल तक प्रस्ताव आमंत्रित

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के क्रियान्वयन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थानों के इम्पैनलमेंट हेतु निर्धारित प्रपत्र में जिले में स्थित आवासीय विद्यालय अपना प्रस्ताव सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कोसीर रोड सारंगढ़ में पंजीकृत डाक से या व्यक्तिगत रूप से 23 अप्रैल तक जमा कर सकते हैं। योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित सीबीएसई या आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त निजी प्रतिष्ठित आवासीय शालाओं (शाला एवं छात्रावास आदि एक ही परिसर में स्थित हो) में से विद्यालयों का चयन किया जाना है। विभाग द्वारा चयनित एवं इम्पैनल्ड विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु अनुसूचित जनजाति वर्ग के 130 एवं अनुसूचित जाति वर्ग के 70 विद्यार्थियों को कुल मिलाकर अधिकतम 200 विद्यार्थियों को प्रवेश दिलाया जायेगा। संस्थाओं के चयन हेतु तय किये गये मापदण्ड आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के विभागीय बेवसाईट ट्राइबल डॉट सीजी डॉट जीओवी डॉट इन www.tribal.cg.gov.in पर उपलब्ध है, जहाँ से डाउनलोड कर अवलोकन किया जा सकता है। ऐसी इच्छुक संस्थाएं जो योजना नियम के प्रावधानों के अनुसार पात्रता रखती है, उनसे प्रस्ताव आंमत्रित है। प्रदेश के अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान छात्र, छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने, नई सोच के साथ बेहतर कैरियर चयन का अवसर प्रदान करने प्रतिस्पर्धी बनाने तथा बहुमुखी व्यक्त्वि विकास के लिए अवसर प्रदान करने के उ?द्देश्य से संचालित जवाहर उत्कर्ष योजना (यथा संशोधित 2021) संचालित है।

सड़क हादसे में युवा व्यापारी रवि निगानिया की मौत, नगर में शोक की लहर

लैलूंगा/मूक पत्रिका

लैलूंगा क्षेत्र से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जिसमें क्षेत्र के प्रतिष्ठित युवा व्यापारी एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रांतीय उपाध्यक्ष रवि निगानिया का निधन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा अंबिकापुर के रघुनाथपुर क्षेत्र में लमगांव-कोलकाता ढाबा के पास हुआ, जहां तीन वाहनों के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही लैलूंगा नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। हर कोई इस खबर से स्तब्ध नजर आया। बताया जाता है कि रवि निगानिया अग्रवाल समाज के बेहद प्रिय, मिलनसार और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। वे चेंबर ऑफ कॉमर्स से जुड़े सक्रिय सदस्य होने के साथ-साथ समाज सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभाते थे। उनके आकस्मिक निधन से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे व्यापारिक जगत और समाज को गहरा आघात पहुंचा है। क्षेत्र के लोगों ने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

व्यापम द्वारा 19 अप्रैल को होगा परिवहन आरक्षक भर्ती परीक्षा, परीक्षा प्रारंभ होने के आधा घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र का गेट हो जाएगा बंद

हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने की अनुमति

काले, जामुनी, मैरून, बैगनी के अलावा गहरे रंग के नीले, हरे और चॉकलेटी कपड़ा पहनना वर्जित

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कार्यालय छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा परिवहन आरक्षक भर्ती 19 अप्रैल को सुबह 11 बजे से 1.15 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें छत्तीसगढ़ के 16 जिलों में लाखों अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रवेश पत्र के सभी पेज का प्रिंट आउट लेना होगा। पेज के केवल एक तरफप्रिंट करें, क्योंकि प्रत्येक परीक्षा हेतु व्यापम की प्रति परीक्षा केंद्र में जमा हो जाएगी। परीक्षार्थी को परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र के साथ पहचान पत्र के रूप में मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, आधार कार्ड जिसमें अभ्यर्थी का फोटो हो, का एक मूल पहचान पत्र परीक्षा दिवस में परीक्षा केंद्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परीक्षा केन्द्रों में आयोजित परीक्षा में शामिल हो रहे अभ्यर्थी के लिए व्यापम ने निर्देश जारी किया है, जिसके अनुसार परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं फोटोयुक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आये। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़े पहनना वर्जित होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जूता, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी वर्जित-फुटवियर के रूप में चप्पल पहनें। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घडी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी।

हाइड्रोपंपिंग तकनीक से सूखा तालाब फिर होगा लबालब, किसानों के चेहरे खिले, भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलुरु के सहयोग से अभिनव पहल, प्रशासनिक मॉनिटरिंग से मिली गति

मांड नदी का जल पहुंचा चपले के खेत-खलिहानों तक, बिना बिजली सिंचाई से बदली तस्वीर

रायगढ/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के ग्राम चपले में मांड नदी पर निर्मित एनीकट अब ग्रामीण विकास और जल प्रबंधन का एक सफल मॉडल बनकर उभर रहा है। जहां कभी गर्मी के दिनों में गांव का तालाब पूरी तरह सूख जाता था और ग्रामीणों को पानी के लिए जूझना पड़ता था, वहीं आज उसी स्थान पर जल उपलब्धता की नई कहानी लिखी जा रही है। हाइड्रोपंपिंग तकनीक के माध्यम से बिना बिजली के पानी को गांव तक पहुंचाने की यह पहल न सिर्फ तकनीकी दृष्टि से अनूठी है, बल्कि ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव का सशक्त उदाहरण भी बन गई है। चपले एनीकट में संग्रहित मांड नदी के जल का सुनियोजित उपयोग करते हुए टरबाइन आधारित हाइड्रोपंपिंग प्रणाली विकसित की गई है। इसके तहत एनीकट में उपलब्ध कुल 280 लीटर प्रति सेकंड जल में से लगभग 23 लीटर प्रति सेकंड जल को पंप कर करीब 1 किलोमीटर दूर स्थित गांव के तालाब (डिस्ट्रीब्यूशन टैंक) तक पहुंचाया जा रहा है। विशेष बात यह है कि पूरी प्रक्रिया बिना बिजली के संचालित हो रही है, जिससे ऊर्जा की बचत के साथ-साथ संचालन लागत में भी उल्लेखनीय कमी आई है। यह पर्यावरण के अनुकूल और दीर्घकालिक समाधान के रूप में सामने आया है। इस परियोजना के तकनीकी पक्ष को मजबूत बनाने में भारतीय विज्ञान संस्थान (द्धद्धस्र्) बंगलुरु का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। संस्थान के प्रोफेसर पुनीत सिंह के मार्गदर्शन में टरबाइन पंप का डिजाइन तैयार किया गया, जिसने इस योजना को व्यवहारिक और प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाई। यह सहयोग दर्शाता है कि किस प्रकार उच्च तकनीकी संस्थान और प्रशासन मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार को जमीन पर उतार सकते हैं। परियोजना के सफल क्रियान्वयन में जिला प्रशासन की सक्रिय भूमिका भी उल्लेखनीय रही है।

जिला कलेक्टर के नेतृत्व में इस कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग की गई। साथ ही बंगलुरु के प्रोफेसर पुनीत सिंह तथा जल संसाधन संभाग रायगढ़ के कार्यपालन अभियंता होमेश नायक सहित अन्य अधिकारियों द्वारा समय-समय पर स्थल निरीक्षण कर गुणवत्ता और प्रगति सुनिश्चित की गई। यही कारण है कि यह योजना निर्धारित समय में सफलता के साथ पूर्ण हो सकी। इस पहल का सीधा लाभ अब गांव के किसानों और ग्रामीणों को मिल रहा है। जहां पहले खेत सूखे रह जाते थे और फसल उत्पादन प्रभावित होता था, वहीं अब सिंचाई की बेहतर व्यवस्था से किसानों में नई उम्मीद जगी है। किसान दिनेश पटेल का कहना है कि पहले गर्मी में पानी के लिए काफी परेशानी होती थी, अब तालाब में पानी आने लगा है तो फसल की चिंता काफी कम हो गई है। यह हमारे लिए बड़ी राहत है। गांव के किसान श्याम सुंदर ने बिना बिजली के इस तरह पानी एक किलोमीटर दूर तालाब तक आना, हमारे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। अब हम दूसरी फसल लेने की भी योजना बना रहे हैं। वहीं किसान हीतराम राठिया बताते हैं कि पहले खेत सूखे रह जाते थे, लेकिन अब पानी मिलने से खेती आसान हो जाएगी।

इसका फायदा पूरे गांव को मिलेगा। इस योजना से न केवल सिंचाई व्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि ग्रामीणों को निस्तारी के लिए भी स्थायी समाधान मिला है। गांव की महिलाओं को अब निस्तारी के लिए दूर-दूर तक पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा ,जिससे उनके समय और श्रम की भी बचत हो रही है। आज चपले का वही तालाब, जो कभी गर्मी में पूरी तरह सूख जाता था, अब फिर से भरने लगा है। पानी की उपलब्धता ने गांव के वातावरण को बदल दिया है,जहां पहले सूखा और चिंता थी, वहां अब हरियाली और संतोष का माहौल है।

दिशा दर्शन भ्रमण आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम : मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

51 महिलाओं को मिला लघु उद्योग का व्यावहारिक ज्ञान

रायपुर/मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल और मार्गदर्शन में संचालित ÷दिशा दर्शन भ्रमण÷ योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी रूप से आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में सूरजपुर जिले की लगभग 51 महिलाएं, जो विभिन्न महिला स्व सहायता समूहों से जुड़ी हैं, अध्ययन भ्रमण के तहत रायपुर पहुंचीं। भ्रमण के दौरान महिलाओं ने रायपुर-खरोरा स्थित सोया प्रोसेसिंग प्लांट का अवलोकन कर उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं विपणन की प्रक्रियाओं को विस्तार से समझा। प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाओं में स्वरोजगार के प्रति नया आत्मविश्वास जागृत हुआ और उन्होंने अपने क्षेत्रों में छोटे स्तर पर प्लांट स्थापित कर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े स्वयं प्लांट परिसर में उपस्थित रहीं और महिलाओं से सीधे संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस प्रकार के भ्रमण कार्यक्रम उन्हें व्यवहारिक अनुभव प्रदान करते हैं, जो उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इच्छुक महिला स्व सहायता समूहों को सोया प्रोसेसिंग जैसे लघु उद्योग स्थापित करने हेतु हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को योजनाओं से जोड़ते हुए उन्हें वित्तीय सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन एवं विपणन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्व सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं, बल्कि समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाते हुए अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं।मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि दिशा दर्शन भ्रमण योजना के माध्यम से राज्य सरकार महिलाओं को ज्ञान, कौशल और अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर सशक्त रूप से अग्रसर कर रही है।

बेमेतरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल हुए आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा बेमेतरा ब्लॉक के पेंड्रीतराई मंडल कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल हुए इस दौरान पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया तथा पूर्व विधायक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बुथ कांग्रेस कमेटी का गठन अति शीघ्र किया जाना चाहिए तथा बूथ कांग्रेस कमेटी के गठन में बूथ स्तर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सलाह एवं स्वीकार्यता को सर्वाधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए और इस कार्य में किसी प्रकार का विलंब न किया जाए साथी साथ उन्होंने यह भी कहा कि संगठन ने आपको यह अवसर दिया है कि आप इस संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं कांग्रेस पार्टी की असली ताकत कांग्रेस का कार्यकर्ता ही है जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपना धीरज नहीं खोता जनहित की मुद्दों पर सत्ता और सरकार से टकराने में भी हिचक नहीं करता आज अगर हमें कांग्रेस संगठन ने पदाधिकारी बनाया है तो हमारा दायित्व है कि हम संगठन के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दें कांग्रेस संगठन को ऊंचाई में ले जाने के लिए जो भी अपनी ओर से योगदान हो सकता है वह सभी करें आज कांग्रेस आम जनता की आशा का केंद्र है ऐसे में हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कांग्रेस संगठन को प्रत्येक बूथ स्तर पर पहले की अपेक्षा अत्यधिक संगठित एवं सशक्त करने की बात कही जिसके लिए लगातार संगठन में कार्य किया जा रहा है अनुभवी एवं युवा उत्साहियों को अवसर प्रदान किया जा रहे हैं लगातार संगठन की ओर से कार्यकर्ताओं को आम जनता से संपर्क बनाने एवं उनकी समस्याओं के लिए जुझारू बनने की समझाइए दी जा रही है लगातार क्षेत्र में क्षेत्र वासियों से अपेक्षित सहयोग भी मिल रहा है आने वाले समय में कार्यकर्ताओं के सहयोग एवं समर्पण से कांग्रेस संगठन को और अत्यधिक मजबूत किया जाएगा बैठक को जिला कांग्रेस प्रभारी सुनील माहेश्वरी एवं अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेमेतरा (ग्रामीण) मिथलेश वर्मा ने भी संबोधित किया तथा कार्यकर्ताओं से कांग्रेस को मजबूत करने के लिए आगे आने को कहा इस अवसर पर ब्लॉक प्रभारी सुमन गोस्वामी सदस्य जिला पंचायत बेमेतरा हरीश साहू मंडल अध्यक्ष महेंद्र साहू मंडल प्रभारी बहल वर्मा शुभम गंधर्व दुर्गा राम साहू उमेद भारती डोमन सिन्हा बीरेंद्र साहू जगमोहन सिन्हा पुरुषोत्तम साहू राधेश्याम साहू ईश्वर साहू मूलचंद साहू धनीराम साहू कृष्ण कुमार पुरैना पन्नालाल तोपशिह सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शहरी क्षेत्र में सभी कब्जाधारियों को पट्टा दो: भूमिहीनों को आवास हेतु भूमि दो अतिक्रमण के नाम पर गरीबों को उजाड़ना बंद हो

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:- कांकेर नगरीय निकाय क्षेत्र में सभी भूमिहीनों को आवास हेतु भूमि आवंटन करने एवं सभी गरीब लोगों को उनके कब्जे की भूमि का पट्टा देने की मांग आज नागरिक अधिकार रक्षा मंच के नेता नजीब कुरैशी ने एक प्रेस बयान जारी कर दिया।

उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर गरीबों के मकान तोड़ने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि शहर में धनी लोगों के अतिक्रमण पर जिला प्रशासन कोई कार्यवाही करने के बदले अपनी आँखें मूंद लेती है और गरीबों पर तोड़ फोड़ कर उन्हें डराया धमकाया जाता है। कुरैशी ने कहा कि शहर में भू माफ्या सक्रिय है जो सरकारी भूमि को गरीबों को बेच कर मालामाल हो रहे है। ऐसे भू माफ्या अपने राजनैतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर गरीबों को लुट रहे है। मंच के नेता ने जिला प्रशासन से मांग की है किसी भी गरीब के आशियाना को उजाड़ने के पहले शहर में उन पैसेवालो के अतिक्रमण को हटाए। धनी और गरीबों की इस भेदभाव प्रशासन की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़ा करता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि शहर में सभी गरीब भूमिहीनों को आवास निर्माण हेतु भूमि प्रदान करे और जो गरीब परिवार सरकारी भूमि पर काबिज है उन्हें पट्टा प्रदान करें। शहर में राजनैतिक प्रभावशाली लोग सरकारी भूमि पर काबिज होकर पट्टा ले लेते है और गरीबों के घरों को तोड़ा जाता है प्रशासन की इस दोहरी नीति किसी भी तरह स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

पत्रकार के साथ मारपीट अत्यंत निंदनीय और अमानवीय कृत्य - पुर्व विधायक चन्द्रदेव राय

पिडित पत्रकार को न्याय दिलाने के लिए आगे पुर्व संसदीय सचिव चन्द्रदेव राय

सारंगढ़-बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में एक पत्रकार तोषराम साहू जी के साथ हुई मारपीट की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह सिर्फ एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा प्रहार है। इस प्रकार की घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि वर्तमान में अधिकारियों के हौसले बुलंद हैं,और वे जवाबदेही से दूर होते जा रहे हैं। पुर्व संसदीय सचिव चन्द्रदेव राय ने कहा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के शासनकाल में यदि पत्रकार ही सुरक्षित नहीं हैं, तो यह गंभीर चिंतन का विषय है। लोकतंत्र में मीडिया की स्वतंत्रता और सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए, लेकिन इस तरह की घटनाएँ शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती हैं। हम सरकार से मांग करते हैं कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा न जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करें,दोषियों पर तत्काल कार्रवाई करें,लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की रक्षा करें।

कांग्रेस ने नारी शक्ति अधिनियम का विरोध कर किया देश की महिलाओं का अपमान -आशीष जैन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा सोशल मीडिया के सहप्रभारी आशीष जैन ने कहा कि 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का गिरना भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटना है, जो कि बहूत ही निंदनीय है जैन ने बतायाइस विधेयक को पारित होने के लिए 352 मतों (दो-तिहाई बहुमत) की आवश्यकता थी, लेकिन पक्ष में केवल 298 वोट मिले, जिससे यह सदन में गिर गया। विपक्षी दलों ने इस बिल को परिसीमन से जोड़ने पर आपत्ति जताई और इसे तुरंत लागू करने की मांग की, जोकि महिला विरोधी कृत्य को दर्शाता है.27 साल के इंतजार के बाद भी इसे पास न करने में विपक्षी दलों द्वारा बाधा डालना महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक गंभीर षड्यंत्र है।वाकई, यह एक अत्यंत निंदनीय घटना है क्योंकि यह महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में उचित प्रतिनिधित्व देने के राष्ट्रीय उद्देश्य में बाधा डालती है और राजनीतिक आम सहमति बनाने में विफलता को दर्शाती है।

केवायसी के नाम पर महिलाएं हो रहे परेशान-देवांगन

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:- कांकेर असंगठित क्षेत्र मजदूर समस्या निवारण प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश देवांगन ने आज एक प्रेस बयान जारी कर बताया कि महतारी वंदना योजना के लिए केवायसी के लिए महिलाओं को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने बताया केवायसी के महिलाओं को घंटों घंटो तक चॉइस सेंटर के सामने लंबी कतार में खड़ा रहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सहित भाजपा की सभी सरकार पूरे देश को ही लाइन में खड़ा कर देना चाहती है। इस केवायसी के कारण दिहाड़ी मजदूरों को सबसे अधिक दिक्कत हो रहे है। क्योंकि जो महिला मजदूर मजदूरी करने निकलते है उन्हें अपनी ही घरेलू काम भी करना पड़ता है। अब केवायसी के लिए या उन्हें छुट्टी लेना पड़ रहा है या मजदूरी कर वापस आकर देर रात तक चावस सेंटर के कतार में खड़ा होना पड़ रहा है। जिसके कारण उनके परिवार के सदस्यों जिसमें छोटे छोटे बच्चे भी शामिल है उन्हें भूखा रहना पड़ रहा है। देवांगन ने विष्णु देव सांय की सरकार को आड़े हाथों लेते हुए बताया कि यह सरकार पूरी तरह गरीब मजदूर विरोधी है। वे मजदूरों को परेशान कर खुशी मना रहे है। इस केवायसी का कोई औचित्य ही नहीं है क्यों कि सभी महिलाएं पहले से ही अपना सभी वैध दस्तावेज जमा कर दिए थे और उसके बाद ही महतारी वंदना योजना का लाभ उन्हें मिलते रहा है।

विपक्ष ने महिला सशक्तिकरण की राह रोकी, 33त्न आरक्षण का अवसर छिना - अमर

जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं जशपुर जिला संगठन प्रभारी अमर सुल्तानिया ने महिला आरक्षण से जुड़े विधेयकों के पारित नहीं होने पर विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी को सशक्त बनाने का ऐतिहासिक अवसर विपक्ष की राजनीति की भेंट चढ़ गया। महिलाओं को मजबूत राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की दिशा में उठाया गया यह कदम विपक्ष के विरोध के कारण आगे नहीं बढ़ सका। अमर सुल्तानिया ने कहा कि प्रस्तावित व्यवस्था के तहत महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर नीति निर्माण में उनकी भागीदारी बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा था। इससे संसद और लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की आवाज मजबूत होती, सामाजिक संवेदनशीलता बढ़ती और विकास के निर्णयों में संतुलन आता। लेकिन विपक्ष ने इस पहल का विरोध कर महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी नकारात्मक सोच उजागर कर दी। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने, महिलाओं को व्यापक अवसर देने और लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने के लिए यह महत्वपूर्ण पहल थी। इससे राजनीति में महिलाओं की निर्णायक भागीदारी बढ़ती और आने वाले समय में नेतृत्व के नए आयाम स्थापित होते। सुल्तानिया ने आरोप लगाया कि विपक्ष ने राजनीतिक स्वार्थ को प्राथमिकता देते हुए महिला अधिकारों की अनदेखी की और देश की आधी आबादी के भविष्य से समझौता किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल भाषणों से नहीं, बल्कि ठोस निर्णयों से संभव है, लेकिन विपक्ष ने इस दिशा में कदम बढ़ाने के बजाय बाधा खड़ी करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं के अधिकार, सम्मान और भागीदारी को लेकर प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रयास जारी रहेंगे।

विधायक ब्यास कश्यप ने किया विविध विकास कार्यो का भूमिपूजन

जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका

विधायक ब्यास कश्यप ने बलौदा विकासखंड के ग्राम मड़वा में विविध विकास कार्यो का भूमिपूजन किया। उन्होंने ग्राम मड़वा में 56 लाख रूपए की लागत से बनने वाले विभिन्न निर्माण कार्यो का आज भूमि पूजन किया। इस निर्माण कार्य के लिए राशि अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र के सी.एस.आर. मद से स्वीकृत की गई है। भूमि पूजन कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए विधायक ब्यास कश्यप ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि इन कार्यो के पूर्ण होने से ग्राम मड़वा एवं आस-पास के क्षेत्रों के नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सी.एस.आर. मद के माध्यम से क्षेत्र में सड़क, भवन, पेयजल, एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का विकास सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों का जीवन स्तर बेहतर हो सके। कार्य स्वीकृति के लिए ग्रामवासियों ने विधायक ब्यास कश्यप के प्रति आभार प्रकट किया है। इ स अवसर पर ग्राम पंचायत मड़वा के सरपंच अजय सोनवानी, उप सरपंच बबलू पटेल, पूर्व सरपंच ईश्वर सिंह, आचार्य गिरिजा शंकर पांडे, भुवनेश्वर सिंह कंवर, खम्हन सिंह, मिल सिंह, रामगोपाल यादव, रामलाल पांडे, लखन साहू, सियाराम साहू, सहेत्तर सिंह कंवर, गली राम साहू, अशोक साहू, किशन आदित्य सहित गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रात में सूने मकानों को बनाते थे निशाना, 3 शातिर चोर गिरफ्तार, रेकी के बाद देते थे चोरी को अंजाम

सायबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना सायबर जांजगीर की सक्रियता से अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई रात्रि में सूने मकानों में हो रही लगातार चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए की गई। पुलिस के अनुसार 10 अप्रैल 2026 की रात नैला स्थित अनंत बिहार नहरिया बाबा रोड में प्रार्थी सैयद अली के घर से अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए थे। मामले में चौकी नैला में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की बारीकी से जांच में एक संदिग्ध सफेद रंग की कार (वर्ना) नजर आई। सायबर तकनीकी विश्लेषण से वाहन की पहचान की गई, जो मध्यप्रदेश के बालाघाट की एक ऑटोमोबाइल दुकान से एग्रीमेंट पर खरीदी गई थी। इसी कड़ी में आरोपियों तक पुलिस पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी चोरी के बाद छत्तीसगढ़ के नांदघाट और मध्यप्रदेश के बालाघाट क्षेत्र में छिपे हुए थे। सायबर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पहले नांदघाट से एक आरोपी को पकड़ा, फिर बालाघाट के ग्राम उकवा में दबिश देकर शेष दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे वारदात से पहले इलाके की रेकी करते थे और फिर रात में सूने मकानों को निशाना बनाते थे। आरोपी बल्ली और लोहे की छड़ों की मदद से खिड़की का ग्रिल तोड़कर घर में प्रवेश करते थे।आरोपियों ने नैला क्षेत्र के अलावा जांजगीर, मुंगेली जिले के लोरमी क्षेत्र में भी सूने मकानों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। इन मामलों में पूर्व से दर्ज अपराधों से भी इनका संबंध पाया गया है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से– एक पुरानी कार (कीमत लगभग ?2,00,000)तीन मोबाइल फोन (?21,000), नकद ?5,000, सोने की छोटी बाली व चांदी की बच्चों की चूड़ी (?4,000), कुल जुमला ?2,30,000 का माल बरामद किया है। तीनों आरोपियों गिरफ्तार आरोपी का नाम प्रकाश जावरे पिता राजू जावरे उम्र 24 साल निवासी ग्राम उकवा चौकी उकवा थाना रूपझर जिला बालाघार, पप्पू पटेल पिता रामफल पटेल उम्र 22 साल निवासी बडी कोनी, थाना कोनी बिलासपुर , राजेश पटेल पिता रामफल पटेल उम्र 19 साल निवासी बडी कोनी, थाना कोनी बिलासपुर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। चोरी का माल खरीदने वाला सोनार फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है।पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा सीएसपी जांजगीर के नेतृत्व में सायबर टीम व चौकी नैला पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई को सराहनीय बताया गया है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि फरार आरोपियों को भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रयास विद्यालय के 9वीं में प्रवेश के लिए जमा ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार 21 अप्रैल तक, 9वीं से 12वीं पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग भी फ्री

सारंगढ़-बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं प्रवेश हेतु सभी वर्ग के विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन 17 अप्रैल तक आमंत्रित किया गया था। विद्यार्थी द्वारा आवेदन करने में यदि कोई त्रुटि हुई है तो 21 अप्रैल तक कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग सारंगढ़ कोसीर रोड कालेज के पास कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर त्रुटि सुधार किया जा सकता है। 21 अप्रैल के बाद त्रुटि सुधार के लिए मौका नहीं मिलेगा और आवेदन निरस्त पर समस्त जिम्मेदारी संबंधित विद्यार्थी की होगी। प्रयास आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट स्कूली शिक्षा के साथ-साथ मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट तथा एनडीए जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी कराई जाती है। यह प्रवेश परीक्षा 10 मई 2026 को निर्धारित है। इच्छुक विद्यार्थी विभागीय वेबसाइट https://eklavya.cg.nic.in/PRSMS/Student-Admission-Detail के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

संपादकीय

होर्मुज की अमेरिकी नाकेबंदी से नई जटिलता खड़ी होगी

होर्मुज जलमार्ग के पूरी तरह बंद होने के बाद भारत सहित दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में संकट गहरा सकता है। इसके अलावा, अगर रूस और चीन भी इस संकट की जद में आते हैं, तो एक नई जटिलता खड़ी होगी।करीब डेढ़ महीने बाद बहुत मुश्किल से पहले युद्धविराम और फिर शांति की राह तैयार करने के मकसद से ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता की गुंजाइश बनी थी। अतीत से लेकर वर्तमान तक दोनों देशों के बीच जैसे संबंध रहे हैं, उसमें अचानक ही सब कुछ पटरी पर आ जाने की बहुत ज्यादा उम्मीद तो नहीं थी, लेकिन कम से कम युद्ध रुकने और दीर्घकालिक हल निकालने के लिए संवाद कायम रखने की गुंजाइश जरूर बनी थी।अफसोस की बात यह है कि पाकिस्तान के इस्लामाबाद में वार्ता के विफल होने के बाद बातचीत के जरिए शांति की संभावना तैयार करने के बजाय एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से टकराव की भाषा का सहारा लेना शुरू कर दिया है, तो दूसरी ओर ईरान ने भी अपने ऊपर होने वाले हमलों का जवाब देने की बात कही है।इस बीच युद्धविराम लागू होने के बावजूद इजरायल ने लेबनान पर अपने हमले जारी रखे। ऐसी स्थिति में यह समझना मुश्किल नहीं है कि शांति प्रयासों के लिए होने वाली कवायदों और स्थायी हल निकालने की कोशिशों के सामने कैसी चुनौती खड़ी हो सकती है।गौरतलब है कि ईरान के साथ वार्ता के विफल होने के बाद ट्रंप ने बेहद तल्ख जुबान में कहा कि ईरान होर्मुज जलमार्ग को खोल दे, नहीं तो अमेरिका समूचे इलाके की नाकेबंदी कर देगा। इसके जवाब में ईरान की ओर से कहा गया कि फारस की खाड़ी और ओमान सागर में सुरक्षा या तो सभी के लिए होगी या किसी के लिए भी नहीं।ईरान का कहना है कि अगर उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, तो इस क्षेत्र का कोई भी बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा। सवाल है कि अगर दोनों ही अपनी धमकियों पर अड़े रहते हैं, तो इसका हासिल क्या होगा। युद्ध को खत्म करने के लिए जहां नए रास्तों की तलाश की जानी चाहिए थी, वहीं पहली बैठक में मिली नाकामी के बाद दोनों ओर से हमलावर रुख का प्रदर्शन किया जा रहा है।एक आशंका यह भी पैदा हो रही है कि एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने को लेकर अगर दोनों पक्षों की भाषा में नरमी नहीं आई, तो इसका असर युद्धविराम पर भी पड़ सकता है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि अगर होर्मुज जलमार्ग की नाकेबंदी को लेकर अमेरिका की धमकी वास्तव में अमल में आती है, तो आने वाले दिनों में वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट की वजह से हालात कैसे हो सकते हैं।ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हुआ है, लेकिन उसने कुछ देशों को वहां से गुजरने की इजाजत दी हुई है। कुछ अन्य देशों को भी छूट देने की बात चल रही थी। अब जहां कोशिश इस बात की होनी चाहिए थी कि होर्मुज जलमार्ग को खोलने सहित अन्य मुद्दों पर टकराव को खत्म करके स्थायी शांति का रास्ता तैयार किया जाए, वहां नए सिरे से टकराव का रास्ता अख्तियार किया जा रहा है।अमेरिका की ओर से युद्ध में अपना पलड़ा भारी करने की जिद की कीमत बहुत बड़ी हो सकती है, जिसका खमियाजा वैसे देश ज्यादा उठाएंगे, जो तेल और गैस के लिए फिलहाल काफी हद तक खाड़ी देशों पर निर्भर हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि दुनिया भर के देशों में तेल और गैस का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलमार्ग से होकर ही गुजरता है। इसके पूरी तरह बंद होने के बाद भारत सहित दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में संकट गहरा सकता है। इसके अलावा, अगर रूस और चीन भी इस संकट की जद में आते हैं, तो एक नई जटिलता खड़ी होगी।

सबरीमाल पर धर्म और कानून में महासंग्राम, सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सियासत में आएगा तूफान?

धर्मनिरपेक्षता की आड़ में एक शांति प्रिय धर्म के बारे में सुनवाई और दिशानिर्देश, जबकि दूसरे-तीसरे कट्टर धर्म के बारे में अपेक्षित सुनवाई पर टालमटोल ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाला है, क्योंकि प्रबुद्ध हिंदुओं के संज्ञान में सारी बातें आईने की तरह चमक रही हैं और कॉन्वेंट एजुकेटेड लोगों से ज्यादा अपेक्षा भी किसी को नहीं है। लिहाजा, केंद्र सरकार और न्यायमूर्ति के स्टैंड अपनी अपनी जगह पर सही हैं, इसलिए भारतीय जनता के व्यापक हित में फैसला आना चाहिए, न कि पीक एंड चूज! जैसा कि विभिन्न विवादास्पद मामलों में प्रतीत होता है। सरकार और न्यायालय से जुड़े लोगों से बहुमत का पक्ष लेने की अपेक्षा नहीं कि जाती है, बल्कि बिटवीन द लाइंस की तरह ऐसा निर्णय आना चाहिए, जिसपर तर्क-वितर्क की कोई गुंजाइश ही न बने।

(कमलेश पांडे)

सबरीमाला प्रकरण के बहाने यह लेख भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका और विधायिका के बीच टकराव का विश्लेषण करता है, जिसमें धार्मिक प्रथाओं पर न्यायिक हस्तक्षेप और 'चयनात्मक धर्मनिरपेक्षता' पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। लेख मांग करता है कि संवेदनशील मुद्दों पर स्पष्ट कानून या निष्पक्ष न्यायिक निर्णय हो, अन्यथा लोकतांत्रिक बहस व्यवस्था पर हावी हो जाएगी।

सबरीमाला प्रकरण के बहाने भारतीय लोकतंत्र में, संसद और संविधान के

दायरे में, सियासत और न्यायपालिका के मठाधीशों के नजरिए में, क्या सही है और क्या गलत? क्या जिम्मेदारी है और क्या नहीं?, यह बहस का विषय नहीं होना चाहिए, बल्कि स्पष्ट कार्रवाई नजर आनी चाहिए। या तो सियासतदान, संसद और विधानमंडलों में कानून स्पष्ट बनाएं या फिर सुलगते सवालों पर न्यायपालिका के न्यायाधीशगण स्वतः संज्ञान लेकर निष्पक्ष न्यायदेश देने की पहल करें, क्योंकि आम जनता का हित सर्वोपरि होना चाहिए।

हालांकि, व्यवहारिक कसौटी पर ये बातें पूरी तरह से खरी नहीं उतरती हैं। इसलिए अपेक्षा है कि धर्म सम्मत न्याय दीजिए, अन्यथा लोकतांत्रिक तर्क-वितर्क भारी पड़ेगा !

धर्मनिरपेक्षता की आड़ में एक शांति प्रिय धर्म के बारे में सुनवाई और दिशानिर्देश, जबकि दूसरे-तीसरे कट्टर धर्म के बारे में अपेक्षित सुनवाई पर टालमटोल ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाला है, क्योंकि प्रबुद्ध हिंदुओं के संज्ञान में सारी बातें आईने की तरह चमक रही हैं और कॉन्वेंट एजुकेटेड लोगों से ज्यादा अपेक्षा भी किसी को नहीं है।

लिहाजा, केंद्र सरकार और न्यायमूर्ति के स्टैंड अपनी अपनी जगह पर सही हैं, इसलिए भारतीय जनता के व्यापक हित में फैसला आना चाहिए, न कि पीक एंड चूज ! जैसा कि विभिन्न विवादास्पद मामलों में प्रतीत होता है। सरकार और न्यायालय से जुड़े लोगों से बहुमत का पक्ष लेने की अपेक्षा नहीं कि जाती है, बल्कि बिटवीन द लाइंस की तरह ऐसा निर्णय आना चाहिए, जिसपर तर्क-वितर्क की कोई गुंजाइश ही न बने।

बीच बहस में पड़ने का दूसरा अदृश्य पहलू यह है कि आम तौर पर किसी न्यायाधीश या नौकरशाह की बुद्धि आम बहुमतधारी नेताओं की बुद्धि से औसत रूप में अच्छी समझी जाती है! फिर भी जब राजनीतिक अतिरेक पर, धार्मिक चुनींदेपन पर, व्यक्तिगत विभेद आदि पर न्यायपालिका और ओछी सियासत के बीच सबकुछ गड्डमड्ड दिखाई देने लगता है तो न्यायिक विवेक और विधायी विवेक के ऊपर सवाल उठाना लाजिमी है। यही पर जनमत को प्रभावित करने वाले संपादकीय विवेक का उत्तरदायित्व बढ़ जाता है! पर दुर्भाग्य की बात है कि इसे भी खुल्लमखुल्ला बाजार बनने को अभिशप्त बना दिया गया है।

सुलगता सवाल है कि आखिर विधायिका और न्यायपालिका देश के सुलगते हुए सवालों का हल बीते सात-आठ दशकों में भी क्यों नहीं ढूंढ पाई हैं? वहीं सामाजिक न्याय और साम्प्रदायिक सोच से जुड़े मसलों पर कड़वा सच कहने का हौसला नहीं प्रदर्शित कर पाई। इससे बहुमत का नँगानाच बढ़ा और मानवीयता नकार दी गई। विधिवत पक्षपात दिखता रहा, लेकिन न्यायविदों की खामोशी पीड़ितों की सिसकन पर भारी पड़ी। यह कोई उलाहना नहीं, बल्कि आपकी अंतरात्मा को झकझोरने की एक पहल है। आखिर कई बार न्यायपालिका/कार्यपालिका भीड़तंत्र के समक्ष घुटने टेकती हुई प्रतीत क्यों होती हैं? यक्ष प्रश्न है।

खैर, जब जब ऐसा हुआ, उन्हें संपादकीय विवेक सम्मत आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। बावजूद इसके मुद्दे जस के तस बने हुए हैं और व्यवस्था पूंजीवादी सोच के प्रति नतमस्तक नजर आती है, क्योंकि दीपावली उपहार तो किसान-मजदूर-कारीगर कभी दे नहीं सकते। सबसे बड़ा सवाल यह कि भारतीय संविधान के प्रथम संशोधन पर यानी संविधान की नौवीं अनुसूची पर न्यायिक चुप्पी आजतक प्रबुद्ध लोगों को खल रही है, क्योंकि जब सुप्रीम कोर्ट संविधान का संरक्षक है तो ऐसा कोई विषय नहीं छोड़ा जाना चाहिए, जिसकी न्यायिक समीक्षा नहीं हो सके, जैसा कि प्रथम संवैधानिक संशोधन के बाद प्रचलन में आया। यह तो महज एक बानगी है, अन्यथा कार्यपालिका की हरकतों पर न्यायपालिका की लाचारी दिखाती है कि लोकतंत्र आना अभी शेष है!

दरअसल, सबरीमला मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने गत 8 अप्रैल, दिन बुधवार को एक अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि उसके पास यह तय करने का अधिकार है कि किसी धर्म में कौन-सी प्रथा अंधविश्वास है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीट ने कहा, अगर विधायिका चुप रहे तो न्यायपालिका हस्तक्षेप नहीं कर सकती? बता दें कि कोर्ट की यह टिप्पणी केंद्र सरकार के उस तर्क के जवाब में आई, जिसमें कहा गया था कि अदालत यह तय नहीं कर सकती कि कोई धार्मिक प्रथा अंधविश्वास है या नहीं।

मसलन, केंद्र का कहना था कि जज कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने संवैधानिक नैतिकता और ट्रांसफॉर्मेटिव कॉन्स्टिट्यूशनलिज्म पर सवाल उठाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि, धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मामलों में संवैधानिक नैतिकता को आधार नहीं बनाया जा सकता। मेहता ने कहा कि यह न्यायिक समीक्षा का स्वतंत्र आधार नहीं हो सकता।

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने पूछा, अदालत कैसे तय कर सकती है कि कोई प्रथा अंधविश्वास है। भले कोई प्रथा अंधविश्वासी हो, उसे ऐसा घोषित करना अदालत का काम नहीं है। कानून बनाना विधायिका का अधिकार है। इस पर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा, कोर्ट के पास यह कहने का अधिकार है कि कोई प्रथा अंधविश्वास है या नहीं।

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा- समाज में नैतिकता समय के साथ बदलती है। किसी प्रथा को अंधविश्वासी मानने का अधिकार कोर्ट के पास है? सुप्रीम कोर्ट का सवाल है कि अगर विधायिका चुप रहे तो क्या न्यायपालिका हस्तक्षेप नहीं कर सकती, विधायिका चुप रहे तो? मेहता ने कहा, भारत जैसे विविध समाज में एक समुदाय की धार्मिक प्रथा दूसरे के लिए अंधविश्वास हो सकती है। इस पर जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने पूछा, कोई समुदाय जादूटोना को प्रथा बताए, तो उसे अंधविश्वास नहीं माना जाएगा? अगर अनुच्छेद 32 के तहत मामला कोर्ट में आए और विधायिका चुप रहे तो?

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह भी पूछा कि जो लोग भगवान अयप्पा के भक्त नहीं है, क्या वे मंदिर की परंपराओ को चुनौती दे सकते है? सॉलिसिटर जनरल मेहता ने बताया कि मूल याचिका इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन ने दायर की थी। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने सवाल उठाया कि क्या गैर-भक्त को ऐसा अधिकार है?

दरअसल, सबरीमला केस की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की पीठ कर रही है। धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े, सबरीमला विवाद मामलों पर सुनवाई चल रही है। इसी पर केंद्र ने कहा- धर्म में अंधविश्वास है या नहीं, यह तय करना अदालत का काम नहीं है। जब भक्त नहीं तो चुनौती कैसे दे सकते है? यहां पर केंद्र सरकार और न्यायपालिका के दृष्टिकोण से असहमत होने का कोई औचित्य नजर नहीं आता है, लेकिन मामले का सकारात्मक हल निकले, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

डिजिटल युग में हिंदी- चुनौतियाँ और संभावनाएँ

(स्निग्धा)

मोबाइल की चमकती स्क्रीन पर सिमटती दुनिया में शब्दों की गहराई कहीं धीरे-धीरे धुंधली होती प्रतीत होती है। डिजिटल युग ने ज्ञान को हमारी उँगलियों तक पहुँचा दिया है; सूचना का विस्तार अभूतपूर्व है। परंतु भाषा से हमारा आत्मीय रिश्ता पहले जैसा सशक्त नहीं रहा। तकनीक आज जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन चुकी है–शिक्षा, संवाद, शोध और मनोरंजन–सब कुछ डिजिटल माध्यमों से जुड़ गया है। ऐसे में शिक्षण पद्धति में परिवर्तन स्वाभाविक है, किंतु इस परिवर्तन के बीच हिंदी भाषा का शिक्षण नई परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना कर रहा है।

एक हिंदी शिक्षिका के रूप में प्रतिदिन यह अनुभव होता है कि बच्चों के विचारों में कमी नहीं है। वे जिज्ञासु हैं, कल्पनाशील हैं, संवेदनशील भी हैं। परंतु जब उन विचारों को शब्दों में ढालने का समय आता है, तो वे ठिठक जाते हैं। हाल ही में, कक्षा में विद्यार्थियों से उनके मनपसंद विषय पर कुछ पंक्तियाँ लिखने को कहा। सभी के पास भाव थे, अनुभव थे, पर शब्द नहीं। कई विद्यार्थियों ने सहज भाव से कहा–सोच तो है, पर लिखने के लिए शब्द नहीं मिलते। उस क्षण यह स्पष्ट हुआ कि समस्या प्रतिभा की नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की है।

कम हो रही लंबे वाक्य लिखने की प्रवृत्ति

डिजिटल माध्यमों ने संवाद को त्वरित और संक्षिप्त बना दिया है। चैट भाषा, इमोजी और मिश्रित भाषायी प्रयोग (हिंग्लिश) का प्रभाव बच्चों की हिंदी शब्दावली को सीमित कर रहा है। लंबे वाक्य लिखने की प्रवृत्ति कम हो रही है। शुद्ध वर्तनी और व्याकरणिक सावधानी पर ध्यान घटता जा रहा है। 'है' और 'हैं', 'क्योंकि' और 'क्युकी', 'वहाँ' और 'वहा' जैसे सरल शब्दों में भी भ्रम देखने को मिलता है। कई बार बच्चे अपनी त्रुटियाँ पहचानने में भी असमर्थ होते हैं। जब भाषा की बुनियाद कमजोर होती है, तो आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है।

वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि देश के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालय, जो केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध हैं, अपनी शिक्षण पद्धति में मुख्य रूप से अंग्रेजी माध्यम का उपयोग करते हैं। यद्यपि यह बोर्ड हिंदी माध्यम के विद्यालयों को भी पूरी मान्यता प्रदान करता है, फिर भी व्यवहार में अधिकांश विद्यार्थी अन्य विषयों का अध्ययन अंग्रेजी में करते हैं। यह स्वाभाविक है कि विद्यार्थी जिस भाषा में विज्ञान या गणित जैसे विषय पढ़ते हैं, वे उसी में अधिक सहज हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, हिंदी उनके लिए अभिव्यक्ति का माध्यम कम और केवल एक 'विषय' अधिक बनकर रह जाती है।

अंग्रेजी का महत्व बढ़ा

?अभिभावकों की प्राथमिकताओं में भी अंग्रेजी का महत्व बढ़ा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को वैश्विक अवसरों के लिए सक्षम बनाना है। इस प्रयास में अनजाने में घर और विद्यालय दोनों स्थानों पर हिंदी के सक्रिय प्रयोग और पठन के अवसर सीमित हो जाते हैं।

यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि समस्या किसी अन्य भाषा के अस्तित्व से नहीं है। बहुभाषिकता हमारे देश की शक्ति है। अंग्रेज़ी सहित अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है। किंतु जिस भाषा में बच्चा अपने परिवेश को समझता है और भावनात्मक रूप से जुड़ता है, उसमें दक्षता उसके चिंतन को गहराई प्रदान करती है। यही कारण है कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 प्रारंभिक स्तर पर मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा में शिक्षण को महत्व देती है, क्योंकि भाषा ही विचारों की आधारशिला है।

संतुलन में है समाधान

समाधान निराशा में नहीं, संतुलन में है। यदि हिंदी को केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित न रखकर जीवन से जोड़ा जाए, तो वह पुनः बच्चों के लिए सहज और रोचक बन सकती है। कहानी-कथन, समूह-चर्चा, भूमिका-अभिनय, वाद-विवाद, रचनात्मक लेखन और काव्य-पाठ जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के शब्द-भंडार और आत्मविश्वास को सुदृढ़ कर सकती हैं। विद्यालयों में नियमित पठन-अभियान, 'दिन का शब्द' जैसी पहलें और पुस्तकालय संस्कृति का सशक्तिकरण भी महत्त्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

डिजिटल साधनों को विरोधी नहीं, सहयोगी बनाया जा सकता है। यदि तकनीक का प्रयोग हिंदी ब्लॉग, ई-पत्रिका, ऑडियो-पुस्तक और रचनात्मक लेखन मंचों के माध्यम से किया जाए, तो बच्चे उसी डिजिटल संसार में हिंदी से जुड़ सकते हैं, जहाँ वे पहले से सक्रिय हैं।

वास्तव में भाषा केवल एक विषय नहीं, बल्कि संस्कृति, संवेदना और चिंतन की धुरी है। जब शब्द सशक्त होते हैं, तभी विचार स्पष्ट और प्रभावी बनते हैं। हिंदी को जीवंत बनाए रखना केवल शिक्षक का दायित्व नहीं, बल्कि अभिभावकों, विद्यालयों और समाज की भी साझा जिम्मेदारी है। यदि हम बच्चों को शब्दों का समृद्ध संसार दे पाएँ, तो वे अपने विचारों से भविष्य को और अधिक उज्ज्वल बना सकेंगे।(स्निग्धा चेन्नई स्थित विद्यालय में हिंदी शिक्षिका हैं। लेख में प्रस्तुत विचार लेखक के निजी विचार हैं।

नीतीश कुमार होने के मायने

ऐसे समय में नीतीश कुमार आए। न घोषणाओं के शोर के साथ, न सत्ता के अहंकार के साथ, बल्कि एक शांत संकल्प के साथ। जैसे कोई बड़ा भाई टूटते घर की दीवारों को चुपचाप सहारा देता है। उन्होंने सबसे पहले उस भय को तोड़ा, जिसने बिहार की आत्मा को जकड़ रखा था। तेज़ ट्रायल की व्यवस्था, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और प्रशासनिक जवाबदेही, इन सबने मिलकर एक नया संदेश दिया कि अब कानून केवल किताबों में नहीं, जमीन पर भी दिखेगा। आंकड़े बताते हैं कि उनके शुरुआती कार्यकाल में ही लगभग 1.5 लाख से अधिक आपराधिक मामलों का त्वरित निपटारा हुआ और 50,000 से अधिक अपराधियों को सजा दिलाई गई।

(प्रणय विक्रम सिंह)

आज बिहार की राजनीति के आंगन में एक अजीब सी नमी उतर आई है। जैसे किसी घर से बेटी विदा हो रही हो। आंगन वही है, दीवारें वही हैं, दरवाज़ा भी खुला हैज पर भीतर एक सूनापन धीरे-धीरे फैलता जा रहा है। मां की आंखे भरी हैं, भाई की आवाज़ अटक गई है और घर का हर कोना मानो स्मृतियों में सिमट गया है।

मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार का इस्तीफा भी कुछ ऐसा ही है। यह सत्ता का परिवर्तन नहीं, एक संवेदना का संधि-विराम है। एक ऐसे युग का अवसान, जिसने बिहार को अंधकार से आलोक, अव्यवस्था से अनुशासन और भय से विश्वास तक पहुंचाया।

एक समय था जब बिहार का नाम सुनते ही मन में भय की परछाइयां उतर आती थीं। 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में यह राज्य अपहरण, अपराध और अराजकता की त्रासदी से जूझ रहा था। अपहरण उद्योग एक कड़वी सच्चाई बन चुका था, कानून-व्यवस्था चरमराई हुई थी, और जातीय संघर्षों की आग गांव-गांव तक फैली हुई थी। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शासन की उपस्थिति वैसी ही थी, जैसे किसी सूखे खेत में बादलों की परछाई दिखती तो है, पर बरसती नहीं।

ऐसे समय में नीतीश कुमार आए। न घोषणाओं के शोर के साथ, न सत्ता के अहंकार के साथ, बल्कि एक शांत संकल्प के साथ। जैसे कोई बड़ा भाई टूटते घर की दीवारों को चुपचाप सहारा देता है। उन्होंने सबसे पहले उस भय को तोड़ा, जिसने बिहार की आत्मा को जकड़ रखा था। तेज़ ट्रायल की व्यवस्था, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और प्रशासनिक जवाबदेही, इन सबने मिलकर एक नया संदेश दिया कि अब कानून केवल किताबों में नहीं, जमीन पर भी दिखेगा। आंकड़े बताते हैं कि उनके शुरुआती कार्यकाल में ही लगभग 1.5 लाख से अधिक आपराधिक मामलों का त्वरित निपटारा हुआ और 50,000 से अधिक अपराधियों को सजा दिलाई गई। अपहरण जैसे संगठित अपराधों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज हुई। यह केवल आंकड़े नहीं थे, यह उस मां की आंखों में लौटता हुआ विश्वास था, जो शाम ढलने पर अपने बेटे के सुरक्षित लौटने की दुआ करती थी।

जातीय संघर्षों की आग, जिसने बिहार को लंबे समय तक झुलसाया, वह भी उनके सामने एक बड़ी चुनौती थी। नरसंहारों की स्मृतियां अभी जीवित थीं। समाज टुकड़ों में बंटा हुआ था। ऐसे में उन्होंने टकराव नहीं, तटस्थता और समरसता का सेतु बनाया। 'विकास के साथ न्याय' का उनका मंत्र किसी राजनीतिक भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन का सूत्र बन गया। उन्होंने महादलित आयोग का गठन किया, अति पिछड़े वर्गों के लिए विशेष योजनाएं चलाईं, मानो हर उस छूटे हुए हाथ को थाम लिया हो, जो वर्षों से व्यवस्था से दूर था।

नक्सलवाद वह जख्म जो बिहार के कई जिलों में गहराई तक धंसा हुआ था। वहां उन्होंने केवल सुरक्षा बलों की शक्ति नहीं, विकास की भाषा को भी उतारा। आंकड़े बताते हैं कि उनके कार्यकाल में ग्रामीण सड़कों का जाल 60,000 किलोमीटर से अधिक तक विस्तारित हुआ। यह सड़कें केवल कंक्रीट की

पट्टियां नहीं थीं, ये वे धमनियां थीं, जिनसे विकास का रक्त गांवों तक पहुंचा। जहां पहले भय था, वहां अब बसें चलने लगीं, जहां पहले बंदूक की गूंज थी, वहां अब बच्चों की किलकारियां सुनाई देने लगीं।

शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान किसी क्रांति से कम नहीं रहा। 'मुख्यमंत्री साइकिल योजना' के अंतर्गत करीब 2 करोड़ से अधिक साइकिलें छात्र-छात्राओं को वितरित की गईं। यह साइकिल केवल एक साधन नहीं थी। यह उस बेटी के सपनों का पहिया थी, जो पहली बार स्कूल की चौखट पार कर रही थी। 'पोशाक योजना' और छात्रवृत्तियों ने शिक्षा को सम्मान से जोड़ा। स्कूलों में नामांकन बढ़ा, ड्रॉपआउट दर घटी, यह सब मिलकर उस समाज का निर्माण कर रहे थे, जहां शिक्षा अब विशेषाधिकार नहीं, अधिकार बनने लगी।

महिलाओं के सशक्तिकरण में उनका निर्णय ऐतिहासिक रहा। पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण का ही सुफल है कि आज बिहार में 15 लाख से अधिक महिला जनप्रतिनिधि सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यह केवल प्रतिनिधित्व नहीं, बल्कि समाज के स्वरूप का पुनर्निर्माण है कि जैसे किसी घर की चौखट, जो अब भीतर-बाहर दोनों को बराबर जोड़ती है।

स्वास्थ्य सेवाओं में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या, जो पहले लाखों में सीमित थी, बढ़कर करोड़ों तक पहुंची, यह केवल संख्या का विस्तार नहीं, बल्कि विश्वास की वापसी थी।

शराबबंदी का निर्णय किसी नीति से अधिक एक पीड़ा की प्रतिक्रिया था। 2016 में लागू इस कानून ने समाज में व्यापक बहस को जन्म दिया। इसके प्रभावों पर मतभेद हो सकते हैं, पर इसकी भावना स्पष्ट थी, उस परिवार को बचाना, जो नशे की लत में टूट रहा था। यह उस मां की आंखों से आंसू पोंछने का प्रयास था, जो अपने घर को बिखरते देख रही थी।

आर्थिक दृष्टि से बिहार ने एक नई गति पकड़ी। कई वर्षों तक राज्य की विकास दर 10 प्रतिशत से अधिक रही, जो राष्ट्रीय औसत से कहीं आगे थी। बिजली, सड़क, शिक्षा हर क्षेत्र में सुधार ने बिहार को पिछड़ेपन के प्रतीक से संभावनाओं के केंद्र में लाकर खड़ा कर दिया।

हां, इस यात्रा में विरोधाभास भी थे। गठबंधनों का बदलना, राजनीतिक समीकरणों का लचीलापन, इन सबने उन्हें आलोचना का विषय भी बनाया। परंतु यही राजनीति का वह यथार्थ है, जहां सिद्धांत और परिस्थितियों के बीच संतुलन साधना पड़ता है। नीतीश कुमार उसी संतुलन के साधक रहे। न पूरी तरह आदर्शवादी, न पूरी तरह व्यवहारवादी, बल्कि दोनों के बीच एक सेतु।

आज जब वे जा रहे हैं, तो यह वैसा ही क्षण है जैसे बेटी की विदाई। सब कुछ व्यवस्थित है, पर मन अस्त-व्यस्त है। घर खड़ा है, पर आंगन सूना है। उनके जाने के साथ केवल एक पद नहीं खाली हुआज एक शैली, एक संस्कार, एक संतुलन भी जैसे विदा हो रहा है। यह विदाई केवल एक व्यक्ति की नहीं, एक विश्वास, एक व्यवस्था और एक पूरे युग की है।

'नीतीश कुमार होने के मायने' शायद यही हैं कि आप अराजकता में अनुशासन की अल्पना रचें, अंधकार में आशा का दीप जलाएं और बिखरते समाज को फिर से जोड़ने का धैर्य रखें।वे गए नहीं हैं, वे बस इतिहास में दर्ज हो गए हैं, जहां नाम नहीं, निशान बोलते हैं।

और अब इतिहास की सीढ़ियों पर खड़े होकर बिहार शायद धीरे से यही कह रहा है कि आप गए नहीं हैं

आप तो यहीं हैं हर सड़क में, हर स्कूल में, हर उस मां की मुस्कान में, जहां अब डर नहीं, सपने बसते हैं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

अक्षय तृतीया ही नहीं,

साल के इन 3 दिनों में भी होता है 'अबूझ मुहूर्त'

बिना पंचांग देखे होंगे सभी शुभ काम

हिंदू धर्म में किसी भी शुभ कार्य को करने से पहले मुहूर्त देखने की परंपरा बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। शादी-विवाह, गृह प्रवेश, नई खरीदारी या कोई भी नया कार्य शुरू करने से पहले लोग पंचांग के अनुसार शुभ समय का चयन करते हैं। लेकिन साल में कुछ ऐसे विशेष दिन भी होते हैं, जिन्हें अबूझ मुहूर्त कहा जाता है। इन दिनों की खासियत यह है कि इन पर किसी भी शुभ कार्य के लिए अलग से मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं पड़ती। अधिकतर लोग केवल अक्षय तृतीया को ही अबूझ मुहूर्त मानते हैं, लेकिन इसके अलावा भी तीन ऐसे दिन हैं, जो बेहद शुभ और फलदायी माने जाते हैं। आइए जानते हैं इन सभी दिनों के नाम और उनका धार्मिक महत्व।

क्या होता है अबूझ मुहूर्त?

ज्योतिष गणना के अनुसार, जब सूर्य और चंद्रमा की स्थिति अत्यंत शुभ होती है और कोई भी दोष प्रभावी नहीं होता, तो उसे अबूझ मुहूर्त या स्वयंसिद्ध मुहूर्त कहा जाता है। इन दिनों में विवाह, गृह प्रवेश, नई गाड़ी खरीदना, सोना खरीदना या व्यापार शुरू करना बहुत सफल और शुभ माना जाता है।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से ही हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है। इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का आरंभ भी होता है। इसे सृष्टि के आरंभ का दिन माना जाता है। इस दिन नया व्यापार शुरू करना या नए संकल्प लेना बहुत शुभ होता है। यह दिन नई ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है।

राम नवमी

चैत्र नवरात्रि के नौवें दिन भगवान श्री राम का जन्म हुआ था। मर्यादा पुरुषोत्तम के प्राकट्य दिवस होने के कारण यह पूरा दिन पवित्रता से भरा होता है। इस दिन ग्रहों का संयोग ऐसा होता है कि किसी भी मांगलिक कार्य में बाधा नहीं आती। खरीदारी, सगाई या मुंडन जैसे संस्कारों के लिए यह दिन सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

अक्षय तृतीया

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया कहते हैं।

इसे साल का सबसे बड़ा अबूझ मुहूर्त माना गया है। अक्षय का अर्थ है जिसका कभी क्षय (नाश) न हो। माना जाता है कि इस दिन किए गए दान और पुण्य का फल अनंत काल तक मिलता है। इस दिन भारी मात्रा में शादियां होती हैं। साथ ही सोना खरीदना और गृह प्रवेश करना सबसे लोकप्रिय है।

विजयादशमी

अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि यानी दशहरा भी अबूझ मुहूर्त की श्रेणी में आता है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन विजय मुहूर्त होता है, जो हर कार्य में सफलता सुनिश्चित करता है। अस्त्र-शस्त्र की पूजा, नया वाहन खरीदना या विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन अचूक माना जाता है।

19 अप्रैल को अक्षय तृतीया क्या खरीदें और किन चीजों से बचें

शुभ योग के साथ इस साल 19 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया मनाई जाएगी। शास्त्रों के मुताबिक, यह दिन वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया पर आता है, जिसे अबूझ मुहूर्त माना गया है। कहते हैं कि, इस दिन किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए अलग से मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती हैं। साथ ही इस तिथि पर कुछ चीजों की खरीदारी करने का फल साधक पर लंबे समय तक बना रहता हैं। इस दौरान कुछ लोग सोना-चांदी के आभूषण, तो कुछ वाहन खरीदकर घर लाते हैं। यह बेहद लाभकारी होता है और देवी लक्ष्मी का वास भी घर में बना रहता है। लेकिन कुछ चीजों को खरीदने से हमेशा बचना चाहिए अन्यथा नकारात्मकता आ सकती हैं। आइए जानते हैं कि, अक्षय तृतीया पर क्या खरीदें और क्या नहीं।

अक्षय तृतीया पर क्या खरीदें

अक्षय तृतीया के दिन सोना-चांदी खरीदना शुभ होता है। इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। आप तांबे या चांदी के बर्तन भी खरीद सकते हैं, जिसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके प्रभाव से घर में बरकत और सुख-शांति आती हैं। आप जमीन या संपत्ति खरीदने की भी शुरुआत कर सकते हैं। कोई वाहन खरीद सकते हैं। धार्मिक वस्तुएं जैसे भगवान की मूर्ति, शंख, कलश या पूजा सामग्री खरीदना भी फलदायी माना जाता है। आप सेंधा नमक खरीद सकते हैं। मान्यता है कि, इससे घर में शांति बढ़ती हैं और कर्ज जैसी परेशानियां दूर होती हैं।

क्या नहीं खरीदें

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन काले रंग की वस्तुएं भूल से भी नहीं खरीदनी चाहिए। आप लोहे की चीजें भी न खरीदें। यह अशुभ हो सकता है और आपकी सुख-समृद्धि पर प्रभाव डाल सकता है।

जेष्ठ माह में पड़ रहे हैं 8 बड़े मंगल

हिंदू धर्म में ज्येष्ठ मास के मंगलवार का विशेष महत्व होता है, जिसे 'बड़ा मंगल' या 'बुढ़वा मंगल' के नाम से जाना जाता है। साल 2026 हनुमान भक्तों के लिए खुशियों की सौगात लेकर आने वाला है। इस साल एक ऐसा दुर्लभ और अद्भुत संयोग बन रहा है जो पूरे 19 साल बाद देखने को मिलेगा। आमतौर पर ज्येष्ठ माह में 4 या 5 बड़े मंगल पड़ते हैं, लेकिन इस बार इनकी संख्या दोगुनी यानी कुल 8 होगी। आइए जानते हैं इस अद्भुत संयोग का कारण, तिथियां और बड़ा मंगल के धार्मिक महत्व के बारे में।

क्यों बन रहा है 8 बड़े मंगल का खास संयोग?

पंचांग के अनुसार, साल 2026 में ज्येष्ठ मास 2 मई से शुरू होकर 29 जून तक रहेगा। इस अवधि में एक विशेष खगोलीय स्थिति बन रही है, क्योंकि 17 मई से 15 जून तक अधिक मास भी इसी दौरान पड़ रहा है। चूंकि मुख्य ज्येष्ठ और अधिक ज्येष्ठ दोनों एक साथ मिल रहे हैं, इसलिए 2 मई से 29 जून के बीच कुल 8 मंगलवार आएंगे। धर्म शास्त्रों में अधिक मास को भगवान विष्णु का महीना माना जाता है, और हनुमान जी भगवान शिव के अंश और श्री राम के परम भक्त हैं, इसलिए यह संयोग आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत ही फलदायी माना जा रहा है।

बड़ा मंगल 2026 महत्वपूर्ण तिथियां

- **पहला बड़ा मंगल:** 5 मई 2026
- **दूसरा बड़ा मंगल:** 12 मई 2026
- **तीसरा बड़ा मंगल:** 19 मई 2026
- **चौथा बड़ा मंगल:** 26 मई 2026
- **पांचवां बड़ा मंगल:** 2 जून 2026
- **छठा बड़ा मंगल:** 9 जून 2026
- **सातवां बड़ा मंगल:** 16 जून 2026
- **आठवां बड़ा मंगल:** 23 जून 2026

अगर गर्मी में रोज हल्दी वाला दूध पीते हैं तो शरीर पर क्या असर होगा?

हल्दी वाला दूध सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि जहां दूध में विटामिन डी, बी12, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व होते हैं तो वहीं हल्दी का करक्यूमिन भी एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट है. इन दोनों चीजों का कॉम्बिनेशन इम्यूनिटी बूस्ट करने से लेकर कई तरह से फायदेमंद है, लेकिन हल्दी वाला दूध तासीर में गर्म होता है, इसलिए ही इसका सेवन सर्दियों में ज्यादा किया जाता है. अगर गर्मी में भी रोजाना हल्दी वाला दूध लिया जाए तो इससे आपके शरीर पर क्या असर दिखेगा. क्या इसके फायदे होंगे या फिर सेहत को नुकसान हो सकता है.

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन एक एक्टिव तत्व है जो इसे पीला रंग देता है। इसके अलावा भी हल्दी में कई बायोएक्टिव कंपाउंड पाए जाते हैं। इसके फायदों को लेकर कई रिसर्च भी की गई हैं। तो वहीं दूध को संपूर्ण आहार माना जाता है। तो चलिए जान लेते हैं कि गर्मी में रोजाना हल्दी वाला दूध पीने से सेहत पर क्या असर होता है। श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट (दिल्ली) के इंटरनल मेडिसिन एंड इनफेक्शन डिजीज कंसल्टेंट डॉ। अंकित बंसल कहते हैं कि गर्मी के मौसम में रोज हल्दी वाला दूध पीना पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन इसे सीमित मात्रा में ही लेना चाहिए। हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी और इम्यूनिटी बढ़ाने वाले गुण होते हैं, जो शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं। दूध में मौजूद कैल्शियम, विटामिन डी आपकी हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसमें प्रोटीन होता है जो मसल्स के लिए फायदेमंद है तो वहीं बी 12 हीमोग्लोबिन के प्रोडक्शन से लेकर नर्वस सिस्टम के फंक्शन को सुचारू रखने में मदद करता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि दरअसल दूध की तासीर गर्म होती है और हल्दी भी गर्म तासीर का मसाला है। जब आप ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करते हैं तो कुछ लोगों को शरीर में गर्मी, एसिडिटी, पाचन में गड़बड़ी या मुंह में छाले जैसी दिक्कत हो सकती है। खासकर जिनकी बॉडी पहले से ही गर्म रहती है या जिन्हें पेट (पाचन) से जुड़ी समस्याएं रहती हैं, उन्हें ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन खुशियों भरा रहेगा। सरकारी कार्यों में बड़े लाभ की संभावना है और आपकी हर परेशानी का समाधान चुटकियों में निकल जाएगा। ऑफिस में आपकी राय को महत्व मिलेगा और बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। परिवार के साथ पिकनिक पर जाने का प्लान बन सकता है।

वृषभ राशि - आज आप आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पुरानी समस्याओं का समाधान मिलने से मन हल्का होगा। व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आने से नए दोस्त बनेंगे। परिवार में किसी धार्मिक कार्य की योजना बन सकती है। अपने जीवन स्तर को सुधारने के प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन राशि - आज का दिन आपके लिए सुखद रहेगा। घर में परिवार के साथ खुशनुमा समय बिताने का मौका मिलेगा। विद्यार्थियों को सफलता के योग हैं, लेकिन पढ़ाई में अधिक मेहनत की आवश्यकता है। अपनी एकाग्रता बनाए रखें।

कर्क राशि -आज आपके सभी कार्य सफल होंगे। बिजनेस में नई डील के ऑफर मिल सकते हैं और बड़े निर्णय लेने के लिए दिन श्रेष्ठ है। घर में नन्हें मेहमान के आगमन का योग बन रहा है। मेडिकल छात्रों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है।

सिंह राशि - राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बेहतरीन है। महिलाओं और व्यापारियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। किसी पुराने कर्ज से मुक्ति मिलने से मानसिक तनाव खत्म होगा। माता-पिता का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या राशि - आज एकाग्र होकर किया गया काम लाभदायक रहेगा। जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे लेकिन किसी भी कार्य को अनदेखा करने से बचें। नया निवेश करने से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना अनिवार्य है। सेहत सामान्य रहेगी।

तुला राशि-व्यापार विस्तार के लिए बनाई गई योजनाएं सफल होंगी और बड़ा मुनाफा दिलाएंगी। कॉस्मेटिक व्यापारियों के लिए दिन विशेष लाभप्रद है। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। फिलहाल किसी भी लंबी यात्रा को टालना ही बेहतर रहेगा।

वृश्चिक राशि - माता महागौरी की कृपा से जीवन खुशियों से भरा रहेगा। बैंक कर्मियों के लिए आज का दिन काम के बोझ से राहत वाला रहेगा। पिता से कुछ नया सीखने को मिलेगा। कोई पुरानी प्रिय वस्तु हाथ लग सकती है जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी।

धनु राशि- घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए दिन अत्यंत शुभ है। व्यापार अच्छा चलेगा और बॉस आपको नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी दे सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए अच्छे डॉक्टर से संपर्क करना लाभदायक रहेगा।

मकर राशि - आज नई खुशियां दस्तक देंगी। बिजनेस में अच्छा मुनाफा होगा और पिता की सलाह मददगार साबित होगी। दोस्तों की मदद के लिए आगे आएंगे। परिवार के रिश्तों में मजबूती के लिए बहन को उपहार दे सकते हैं।

कुंभ राशि- अचानक धन लाभ के योग बने हुए हैं। नई स्किल सीखने का विचार भविष्य में बड़ा लाभ देगा। नया वाहन खरीदने का मन बना सकते हैं। दोस्तों के साथ मनोरंजन और सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मीन राशि- आज का दिन खास रहेगा लेकिन पैसों के मामले में लापरवाही भारी पड़ सकती है। टूर एंड ट्रेवल्स के व्यवसाय से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ होगा। किसी करीबी या एक्सपर्ट की सलाह आर्थिक मामलों में बहुत मददगार साबित होगी।

– ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

जरा सोचिए, पानी की हर बूंद गोलाकार ही क्यों होती है हमेशा

क्या आपने कभी सोचा है कि पानी की हर बूंद गोल या लगभग गोलाकार ही क्यों होती है। कभी कोई चौकोर, तिकोन या आयताकार बूंद क्यों नहीं दिखती? क्या पानी की बूंदों को कोई खास नियम गोल आकार लेने के लिए मजबूर करता है? यह एक ऐसा साधारण सवाल है जिसका जवाब भौतिकी और रसायन शास्त्र के एक बेहद रोचक सिद्धांत में छिपा है – सरफेस टेंशन यानी पृष्ठ तनाव। इस रहस्य को समझने के लिए हमें पानी के अणुओं की संरचना को देखना होगा। पानी के अणु एक-दूसरे से बहुत मज़बूती से जुड़े होते हैं, जिसे कोहेसिव फ़ोर्स या ससंजक बल कहते हैं।

एक पानी की बूंद के अंदर मौजूद अणु चारों तरफ से समान खिंचाव महसूस करते हैं, लेकिन सतह पर मौजूद अणु एक अलग व्यवहार दिखाते हैं। वे सिर्फ नीचे और बगल के अणुओं से खिंचते हैं, ऊपर की तरफ कोई खिंचाव नहीं होता क्योंकि वहां हवा होती है। इस वजह से, सतह के अणु अंदर की तरफ खिंचने की कोशिश करते हैं, जिससे पानी की सतह एक तनी हुई अदृश्य झिल्ली जैसी बन जाती है। यह तनाव पानी को ऐसे आकार में ढालने के लिए मजबूर करता है जिसका बाहरी सतह क्षेत्र सबसे कम हो।

गणित और भौतिकी के नियमों के अनुसार, किसी भी निश्चित आयतन के लिए सबसे कम सतह क्षेत्र केवल गोले का ही होता है। यही वजह है कि पानी की छोटी बूंदें पूरी तरह गोलाकार हो जाती हैं। यदि बूंद चौकोर या तिकोन होती, तो उसकी सतह का क्षेत्रफल ज़्यादा होता, जिससे सरफेस टेंशन ज़्यादा ऊर्जा खर्च करता। प्रकृति हमेशा कम ऊर्जा वाले रास्ते चुनती है, इसलिए गोल आकार सबसे आदर्श और ऊर्जा-कुशल होता है। पत्तों पर या शीशे पर बनी बूंदें भी इसी कारण गोल-मटोल दिखती हैं।

पानी का बुलबुला भी गोल क्यों होता है?

क्योंकि अंदर की हवा बाहर की तरफ दबाव डालती है और सरफेस टेंशन उसे गोल बनाए रखता है। साबुन का पानी सरफेस टेंशन कम कर देता है, इसीलिए साबुन के घोल से बने बुलबुले पानी के बुलबुलों से बड़े और ज़्यादा देर तक टिकते हैं।

कुछ पत्तों की सतह, जैसे कमल का पत्ता, हाइड्रोफोबिक (पानी को दूर रखने वाली) होती है, जिसके कारण बूंद और भी ज़्यादा परफेक्ट गोल बनी रहती है। बहुत छोटी बूंदें (आमतौर पर 1-2 मिलीमीटर से कम) लगभग परफेक्ट स्फीयर होती हैं। लेकिन जैसे-जैसे बूंद का आकार बढ़ता है, गुरुत्वाकर्षण का प्रभाव भी बढ़ने लगता है। गुरुत्वाकर्षण नीचे की तरफ खिंचाव पैदा करता है, जिससे बड़ी बारिश की बूंदें ऊपर से गोल और नीचे से थोड़ी चपटी हो जाती हैं, जिसका आकार कुछ हद तक हैमबर्गर जैसा हो जाता है। यदि बूंद और भी बड़ी (लगभग 4.5 मिलीमीटर से ज़्यादा) हो जाए तो गुरुत्वाकर्षण इतना मज़बूत हो जाता है कि बूंद टूटकर छोटी-छोटी बूंदों में बिखर जाती है, क्योंकि सरफेस टेंशन उसे एक साथ नहीं रख पाता। यह अद्भुत सिद्धांत सिर्फ बूंदों के आकार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके कई और दिलचस्प उदाहरण हमारे आसपास मौजूद हैं। कुछ कीड़े पानी की सतह पर चल पाते हैं क्योंकि सरफेस टेंशन उन्हें सहारा देता है, ठीक वैसे ही जैसे एक अदृश्य जाल पर चल रहे हों।

भारतीय उच्च शिक्षा की बढ़ती वैश्विक उपलब्धि

कानून एवं विधि अध्ययन में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए JGU अब विश्व में #35 स्थान पर है। राजनीति एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में 145 स्थानों की छलांग लगाकर यह #90 स्थान पर पहुंचते हुए वैश्विक टॉप 100 में शामिल हुआ है, जबकि व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन में यह #151–200 (पहले 451–500) पर पहुंच गया है—जो एक वर्ष में 300 से अधिक स्थानों की बड़ी प्रगति को दर्शाता है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स बाय सब्जेक्ट 2026 में विश्वभर के 6,277 संस्थानों का 55 विषयों में मूल्यांकन किया गया, जिससे JGU की यह उपलब्धि न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे भारतीय उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बन गई है। केवल 17 वर्ष पहले स्थापित यह विश्वविद्यालय आज कई विषयों में वैश्विक उत्कृष्टता का उदाहरण बन चुका है।

"JGU की विभिन्न विषयों में सफलता भारत के लिए गर्व का एक महत्वपूर्ण क्षण है। कानून में विश्व के शीर्ष 50, राजनीति एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में शीर्ष 100 और व्यवसाय एवं प्रबंधन में शीर्ष 200 में स्थान प्राप्त करना, साथ ही कई विषयों में भारत में #1 होना, भारतीय उच्च शिक्षा की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को दर्शाता है। यह उपलब्धि हमारे परोपकार के प्रति ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स बाय सब्जेक्ट 2026 में एक ऐतिहासिक वैश्विक उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय ने कानून, राजनीति एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन, व्यवसाय एवं प्रबंधन, कला एवं मानविकी, अर्थशास्त्र तथा सामाजिक विज्ञान जैसे विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वयं को भारत की अग्रणी बहुविषयक वैश्विक संस्थाओं में स्थापित किया है और अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा में एक उभरती हुई शक्ति के रूप में पहचान बनाई है।

बाल हृदय उपचार में असमानता दूर करने की पहल

किम्स हॉस्पिटल्स ने किम्स साथी एक नन्हे दिल को बचाओ पहल नामक उपक्रम की घोषणा की है। यह पहल जन्मजात तथा गंभीर हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को समग्र और संवेदनशील उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है। डॉ. श्रीनिवास एल. के दूरदर्शी नेतृत्व में किम्स हॉस्पिटल्स ने शुरुआती मात्र 6 महीनों में 200 से अधिक बच्चों का सफल उपचार पूर्ण करने के बाद इस औपचारिक उपक्रम की शुरुआत की है। इस पहल को रोटरी क्लब्स तथा विभिन्न बड़ी कॉर्पोरेट संस्थाओं से लगातार सहयोग प्राप्त हो रहा है।

इस उपक्रम का औपचारिक उद्घाटन रोटरी क्लब, स्वास्थ्य क्षेत्र, स्वयंसेवी संस्थाओं, कॉर्पोरेट CSR प्रतिनिधियों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। जन्मजात हृदय रोग विश्व स्तर पर सबसे अधिक पाए जाने वाले जन्म दोषों में से एक है। भारत में हर वर्ष लगभग 2 लाख बच्चे इस रोग के साथ जन्म लेते हैं, जिनमें से लगभग 25–30% बच्चों को पहले वर्ष में तत्काल चिकित्सा या सर्जरी की आवश्यकता होती है। लेकिन प्राथमिक जांच सुविधाओं की कमी, बाल हृदय उपचार केंद्रों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयाँ और जागरूकता की कमी के कारण अनेक बच्चों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता।

किम्स साथी उपक्रम इसी गंभीर कमी को दूर करने के लिए तैयार किया गया है, जो पारंपरिक अस्पताल सेवाओं से आगे बढ़कर एक मजबूत व्यवस्था तैयार करता है। इसमें बाल हृदय विशेषज्ञ, बाल हृदय सर्जन, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ, आईसीयू विशेषज्ञ, पैरामेडिकल कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाएँ, कॉर्पोरेट CSR, स्वयंसेवक और सहायक कर्मचारी शामिल हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, बाल हृदय विशेषज्ञ प्रमुख एवं वरिष्ठ सलाहकार डॉ. श्रीनिवास एल. ने कहा, किम्स साथी एक छोटा सा प्रयास है, जिससे कोई भी बच्चा उपचार के अभाव में वंचित न रहे। समय पर निदान और हस्तक्षेप से जन्मजात हृदय रोगों के परिणामों में बड़ा सुधार हो सकता है। अध्ययन बताते हैं कि समय पर हस्तक्षेप से गंभीर मामलों में मृत्यु दर और जटिलताओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पोलियो टीमों पर हमले, 3 कर्मचारी अगवा, एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में पोलियो

टीकाकरण टीमों को निशाना बनाकर किए गए अलग-अलग हमलों में एक पुलिस कांस्टेबल की जान चली गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। इसके अलावा, खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले से तीन टीकाकरण कर्मियों के अपहरण की भी खबर है। बलूचिस्तान के नासिराबाद जिले के डेरा मुराद जमाली इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने पोलियो टीम पर उस समय हमला किया जब वे विश्राम कर रहे थे। क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आसिफ खानजादा के अनुसार, महिला स्वास्थ्य कर्मियों सहित सुरक्षाकर्मियों का दल दोपहर के भोजन के लिए एक छायादार स्थान पर रुका था। तभी तीन मोटरसाइकिलों पर सवार हमलावरों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस हमले में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल फरहान बशीर की मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार होने में सफल रहे। नासिराबाद के उपायुक्त जुल्फिकार अली कर्रार ने स्पष्ट किया है कि इस कायराना हमले के बावजूद राष्ट्रव्यापी पोलियो रोधी अभियान जारी रहेगा। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले कुछ दिनों में हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। हांगू जिले के समाना रोड पर एक सशस्त्र हमलावर ने पुलिस दल पर गोलीबारी की, जिसमें कांस्टेबल मोहम्मद अनस घायल हो गए। हालांकि, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, बन्नू जिले के झंडोखेल इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों ने पोलियो टीम के तीन कर्मचारियों का अपहरण कर लिया है। ये कर्मी नियमित टीकाकरण अभियान पर थे। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू कर दिया है। इससे दो दिन पहले भी हांगू के चापरी वजीरान इलाके में एक कांस्टेबल की हत्या कर दी गई थी और चार अन्य घायल हुए थे।

हिजबुल्लाह का भीषण प्रहार, 24 घंटे में इस्राइली ठिकानों पर 39 किए हमले

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 39 सैन्य अभियान चलाए हैं। इन हमलों में इस्राइली बस्तियों, सैनिकों की टुकड़ियों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया। साथ ही दक्षिणी सीमा और उत्तरी इस्राइल में दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने की झड़पें भी हुईं। अल जजीरा की रिपोर्ट में बात सामने आई है। इस बीच, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि इस्राइली सेना दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान जारी रखेगी। नेतन्याहू ने बिंट जबील को हिजबुल्लाह का मुख्य गढ़ बताया और इसे पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया। इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने लेबनान के अस्पतालों की हालत पर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि दक्षिण लेबनान का 'तेबनीन सरकारी अस्पताल' गंभीर संकट में है। अप्रैल में अस्पताल के पास हुए दो अलग-अलग हमलों में इसे काफी नुकसान पहुंचा है। इन घटनाओं में 11 स्वास्थ्य कर्मी घायल हुए। अस्पताल का इमरजेंसी विभाग, वेंटिलेटर, मॉनिटर और फार्मेसी जैसी जरूरी चीजें खराब हो गई हैं। हालांकि कुछ सेवाएं अभी भी चालू हैं, टेड्रोस ने कहा कि प्राथमिकता वाली जरूरतों के आधार पर तत्काल आपातकालीन रखरखाव में सहायता कर रहा है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने स्वास्थ्य सेवाओं पर हो रहे हमलों के आंकड़े भी साझा किए। संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर 133 हमले हुए हैं। इनमें 88 लोगों की मौत हुई और 206 लोग घायल हुए हैं। हमलों की वजह से 15 अस्पताल और 7 स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हुए हैं। वहीं, 5 अस्पतालों और 56 स्वास्थ्य केंद्रों को पूरी तरह बंद करना पड़ा है। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों, एम्बुलेंस और मरीजों की सुरक्षा की अपील की है।

आसिम मुनीर ही हैं असली मालिक! पाकिस्तान के पूर्व मंत्री बोले- ट्रंप ने तो शरीफ का नाम तक नहीं लिया

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऐसे समय में जब ईरान और अमेरिका के बीच राजनयिक वार्ताओं के संदर्भ में पाकिस्तान चर्चा के केंद्र में है, तो एक जाना-पहचाना सवाल फिर से सामने आया है: इस्लामाबाद में इस मध्यस्थता का नेतृत्व असल में कौन कर रहा है? पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने इस पर स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर ही 'पाकिस्तान का नेतृत्व कर रहे हैं' और सारे फैसले लेने का अधिकार उन्हीं के पास है।

एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका-ईरान मध्यस्थता वार्ता की कमान किसके हाथों में है, तो चौधरी ने कहा: ईमानदारी से कहूं तो इसमें कोई दो राय नहीं है। इस वक्त पाकिस्तान का नेतृत्व जनरल असीम मुनीर कर रहे हैं। वे ही पाकिस्तान के वास्तविक नेता हैं। अभी निर्णय लेने की सारी शक्ति फील्ड मार्शल (सीडीएफ) के पास ही है...

यहां तक कि कल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जनरल असीम मुनीर को ही पाकिस्तान का नेता बताया, और उन्होंने (प्रधानमंत्री) शहबाज शरीफ का नाम लेने की जहमत तक नहीं उठाई। ईरान की सरकारी मीडिया ने बुधवार को बताया कि एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका का एक विशेष संदेश लेकर ईरान पहुंचा है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी ने ईरानी मीडिया के हवाले से बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों (अमेरिका और ईरान) के बीच दूसरे दौर की बातचीत की रूपरेखा भी तैयार कर सकता है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माइल बघाई ने भी अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद में हुई पिछली चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए तेहरान में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल पहुंच चुका है। पिछले सप्ताहांत पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत किसी भी ठोस या निर्णायक नतीजे पर पहुंचने में विफल रही थी। एएफपी न्यूज एजेंसी ने प्रवक्ता बघाई के हवाले से बताया कि रविवार को जब से ईरानी प्रतिनिधिमंडल वापस तेहरान लौटा है, तब से पाकिस्तान के माध्यम से दोनों देशों के बीच कई संदेशों का आदान-प्रदान किया गया है।

पीएम शहबाज और सऊदी के क्राउन प्रिंस की मुलाकात, ईरान गए आसिम मुनीर ने अराघची से की बातचीत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच संवाद को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने यह बात सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ जेद्दा में हुई मुलाकात के दौरान कही। शरीफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि क्राउन प्रिंस से मुलाकात उनके लिए सम्मान और खुशी की बात रही। उन्होंने सऊदी अरब के प्रति पाकिस्तान की एकजुटता जताई और मौजूदा तनावपूर्ण हालात में क्राउन प्रिंस के नेतृत्व में दिखाए गए धैर्य और संयम की सराहना की। शरीफ ने अपनी पोस्ट में पाकिस्तान की हालिया कूटनीतिक कोशिशों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों ने अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम कराने में भूमिका निभाई और इस्लामाबाद में ऐतिहासिक शांति वार्ता शुरू कराने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए समझौते की दिशा में अपने प्रयास जारी रखेगा। प्रधानमंत्री बुधवार को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सऊदी अरब पहुंचे थे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है और अमेरिका-ईरान वार्ता को पुनर्जीवित करने की कोशिशें तेज हो रही हैं। इसी बीच, पाकिस्तान ने समानांतर रूप से एक और कूटनीतिक कदम उठाया है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर भी एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ तेहरान पहुंचे हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तेहरान पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। उनका यह दौरा वाशिंगटन और तेहरान के बीच रुकी हुई बातचीत को फिर से पटरी पर लाने की कोशिशों का हिस्सा माना जा रहा है।

यूक्रेन को ब्रिटेन से मिला अब तक का सबसे बड़े हथियारों का पैकेज

लंदन , एजेंसी। यूक्रेन को ब्रिटेन की ओर से घोषित अब तक के सबसे बड़े ड्रोन पैकेज की आपूर्ति शुरू हो गई है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ड्रोन की खेप पहुंचनी शुरू हो चुकी है और इससे उसकी फ्रंटलाइन की ताकत मजबूत हो रही है।

मंत्रालय ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि हम यूके के आभारी हैं, जिसने यूक्रेन के लिए अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन पैकेज दिया है। ये ड्रोन पहुंचने लगे हैं और हमारी फ्रंटलाइन को मजबूत कर रहे हैं। बयान के अनुसार, इस वर्ष यूक्रेन को कुल 1.2 लाख (120,000) ड्रोन मिलने की उम्मीद है। इस पैकेज में स्ट्राइक, टोही, लॉजिस्टिक्स और समुद्री ड्रोन शामिल हैं, जो युद्ध के अलग-अलग मोर्चों पर इस्तेमाल किए जाएंगे। इससे पहले ब्रिटेन ने घोषणा की थी कि वह 2026 में यूक्रेन को कम से कम 1.2 लाख ड्रोन उपलब्ध कराएगा। यह पहल ब्रिटेन की इस साल की करीब 3 अरब पाउंड (लगभग 4.07 अरब अमेरिकी डॉलर) की सैन्य सहायता योजना का हिस्सा है। इसके साथ ही यह ल7 की एक्स्ट्राऑर्डिनरी रेवेन्यू एक्सेलरेशन फॉर यूक्रेन पहल से भी समर्थित है, जिसका उद्देश्य यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है। दूसरी ओर, रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है। रूस ने कहा कि यूरोपीय देशों द्वारा यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने से महाद्वीप सीधे तौर पर रूस के साथ संघर्ष में और अधिक उलझता जा रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि यूरोपीय नेताओं के ऐसे कदम उनकी सुरक्षा बढ़ाने के बजाय उन्हें युद्ध की ओर धकेल रहे हैं। मंत्रालय के मुताबिक, 26 मार्च को कई यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने का निर्णय लिया, खासकर उस समय जब यूक्रेनी सेना को बढ़ते नुकसान और जनशक्ति की कमी का सामना करना पड़ रहा है। रूस ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी ड्रोन निर्माता कंपनियों की शाखाएं यूरोप के आठ देशों में सक्रिय हैं। इनमें से कुछ इकाइयां स्ट्राइक ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन जैसे हथियारों के निर्माण में लगी हैं।

ईरान के साथ तनाव के चलते अमेरिका में गैस की कीमतों के पूर्वानुमान पर छाई अनिश्चितता

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में ईंधन की कीमतों के भविष्य को ईरान संघर्ष में हो रहे घटनाक्रमों से जोड़ दिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि पेट्रोल की कीमतों में लगातार गिरावट इस बात पर निर्भर करेगी कि होरमुज़ जलडमरूमध्य दोबारा खोला जाता है या नहीं और चल रही वार्ताओं में कितनी प्रगति होती है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बुधवार (स्थानीय समय) व्हाइट हाउस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि गैस की कीमतों में कमी का समय अभी अनिश्चित है। उन्होंने ईरान से जुड़े तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में आई बाधाओं का हवाला दिया। बेसेंट ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि 20 जून से 20 सितंबर के बीच किसी समय हम फिर से 3 डॉलर प्रति गैलन गैस देख सकते हैं,' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि परिणाम इस बात पर निर्भर करेंगे कि बातचीत कैसे आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि होरमुज़ जलडमरूमध्य अभी 'पूरी तरह से दोबारा नहीं खोला गया है,' और यह भी जोड़ा कि जैसे ही शिपिंग मार्ग सामान्य संचालन में लौटेंगे, ऊर्जा बाजार स्थिर हो जाएंगे। बेसेंट ने कहा कि मध्य पूर्व के वित्त मंत्रियों के साथ हुई चर्चाओं से संकेत मिलता है कि परिस्थितियां सुधरते ही तेल उत्पादन तेजी से फिर शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा, 'जैसे ही जलडमरूमध्य खुलता है, वे एक सप्ताह के भीतर फिर से उत्पादन शुरू कर सकते हैं।' प्रशासन ने कहा कि वह ईंधन की कीमतों पर नजर बनाए हुए है और खुदरा विक्रेताओं से अपील की है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने पर उसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने कहा कि मौजूदा मूल्य दबाव ईरान की स्थिति से जुड़े एक व्यापक रणनीतिक प्रयास को दर्शाते हैं।

तुर्किये में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की: 9 की मौत

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में लगातार दूसरे दिन स्कूल में गोलीबारी का मामला सामने आया है। बुधवार को एक मिडिल स्कूल में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की। इसमें एक शिक्षक समेत 9 छात्रों की मौत हुई, जबकि लगभग 13 लोग घायल हुए। हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मार ली। 6 घायलों की हालत गंभीर है। गवर्नर मुकेर्रम उनलुएर ने बताया कि हमलावर आठवीं कक्षा का छात्र था। वह अपने बैग में पांच हथियार और सात मैगजीन लेकर स्कूल पहुंचा था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये हथियार उसके पूर्व पुलिस अधिकारी पिता के हो सकते हैं। घटना के बाद इलाके में पुलिस तैनात किया गया और जांच शुरू की गई। गवर्नर के मुताबिक, हमलावर स्कूल के अंदर दो कक्षाओं में घुसा, जहां पांचवीं कक्षा के छात्र पढ़ रहे थे। उसने वहां अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई गई है और उनका ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच, सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा गया कि गोलीबारी के दौरान कई छात्र स्कूल की दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की कोशिश कर रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में हमलावर को स्कूल के गलियारे में छात्रों पर गोली चलाते हुए भी देखा गया। हालांकि इन फुटेज की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद न्याय मंत्री अकीन गुरलेक ने कहा कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इससे एक दिन पहले, मंगलवार को तुर्किये के सनलिउरफा प्रांत में एक स्कूल में गोलीबारी हुई थी। एक 18 साल के युवक ने अपने पुराने स्कूल में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की। इस हमले में 16 लोग घायल हुए, जिनमें छात्र और शिक्षक शामिल थे। आरोपी ने बाद में खुद को भी गोली मार ली थी। हमला एक वोकेशनल हाई स्कूल में हुआ। आरोपी पूर्व छात्र था और शॉटगन लेकर स्कूल पहुंचा। उसने बिना किसी को निशाना बनाए फायरिंग की और फिर स्कूल के अंदर छिप गया। गवर्नर हसन सिल्डाक के मुताबिक, हमले में 10 छात्र, चार शिक्षक, एक कैंटीन कर्मचारी और एक पुलिस अधिकारी घायल हुए थे। इसी बीच, पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और स्कूल में विशेष ऑपरेशन शुरू किया। आरोपी ने सरेंडर करने से इनकार कर दिया। गवर्नर ने बताया, 'आरोपी को ऑपरेशन के दौरान स्कूल के अंदर घेर लिया गया था। इसी दौरान उसने खुद को गोली मार ली।' मामले की जांच जारी है। तुर्किये में स्कूल में गोलीबारी की घटनाएं बेहद कम होती हैं, लेकिन लगातार दो दिनों में हुई इन घटनाओं ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच वार्ता का किया स्वागत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने एक बार फिर से साफ किया है कि इजरायल और लेबनान के बीच संभावित सीजफायर ईरान के साथ उसकी बातचीत का हिस्सा नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारतीय समयानुसार गुरुवार को यानी इजरायल और लेबनान के बीच बातचीत होगी। भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'इजराइल और लेबनान के बीच थोड़ी राहत दिलाने की कोशिश कर रहा हूं। दोनों नेताओं ने लगभग 34 साल से बात नहीं की है। अब बात होगी। बढ़िया।' हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वार्ता में कौन-कौन शामिल होंगे। ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते का सीजफायर होने के बाद ईरानी पक्ष की तरफ से ये दावा किया कि इजरायल ने लेबनान पर हमला करके सीजफायर का उल्लंघन किया है। हालांकि, अमेरिका ने कहा कि इस सीजफायर में लेबनान को शामिल नहीं किया गया था।

इजरायल और लेबनान के बीच लगभग 34 सालों में पहली बार उच्चस्तरीय बातचीत हो रही है। दोनों देशों के बीच अमेरिका मध्यस्थ का काम कर रहा है। वॉशिंगटन इजरायल की उत्तरी सीमा पर तनाव कम करने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशें तेज कर रहा है।

अमेरिकी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने लेबनान में युद्धविराम के लिए नहीं कहा था और यह ईरान के साथ शांति बातचीत का हिस्सा नहीं था। हालांकि, अधिकारी ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल

और लेबनान के बीच शांति समझौते के हिस्से के तौर पर लेबनान में दुश्मनी खत्म होने का स्वागत करेंगे।

रुबियो की मौजूदगी में लेबनान और इजरायल के बीच दुर्लभ सीधी बातचीत सालों में पहली बार हुई थी। अमेरिकी अधिकारियों ने इस बातचीत को तनाव कम करने और शायद एक बड़े समझौते का रास्ता खोलने की दिशा में एक कदम बताया।

एक और सीनियर अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका एक टिकाऊ शांति चाहता है, लेकिन उसने तुरंत सीजफायर की मांग नहीं की है। अमेरिका का ध्यान दोनों सरकारों के बीच भरोसा बनाने पर है ताकि हम शांति समझौते के लिए जगह बना सकें और भविष्य में होने वाली कोई भी समझ टिकाऊ हो सके। दोनों पक्षों को पॉलिटिकल माहौल बनाने की जरूरत है।' अमेरिकी अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि वॉशिंगटन तनाव कम करने का समर्थन तो करता है, लेकिन वह बातचीत के अलग-अलग रास्तों को नहीं जोड़ रहा है। अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का इजरायल और लेबनान के बीच चल रही शांति वार्ता से कोई लेना-देना नहीं है।' इजरायल लेबनान में एक अल्पकालिक युद्धविराम पर विचार कर रहा है, जो लगभग एक सप्ताह तक चल सकता है, हालांकि यह अभी अंतिम निर्णय नहीं है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हिजबुल्लाह इस प्रस्ताव को स्वीकार करेगा या नहीं। अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन विभिन्न वार्ता प्रक्रियाओं को आपस में जोड़ नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता को इजरायल-लेबनान शांति वार्ता से अलग रखा गया है। लेबनान में तनाव के हालात तब से हैं, जब इजरायल ने इस साल की शुरुआत में हिजबुल्लाह के रॉकेट हमलों के बाद सैन्य अभियान शुरू किया था। इस संघर्ष ने बड़ी संख्या में नागरिकों को विस्थापित किया है और क्षेत्रीय तनाव बढ़ा दिया है। वॉशिंगटन की मौजूदा रणनीति तत्काल समाधान के बजाय धीरे-धीरे प्रगति पर केंद्रित है, ताकि जल्दबाजी में लिए गए फैसलों से बचा जा सके और स्थायी शांति का रास्ता तैयार हो सके।

ईरान में अब ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी: तेहरान के खिलाफ अमेरिका की आर्थिक दबाव की रणनीति, प्रतिबंधों की भी तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक महीने से ज्यादा चले भीषण सैन्य टकराव के बाद भले ही अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम हुआ हो, लेकिन जंग अब नए मोर्चे पर पहुंच गई है। गोलियों और मिसाइलों की जगह अब आर्थिक हथियारों का इस्तेमाल तेज हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की कमर तोड़ने के लिए कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की नई रणनीति तैयार कर ली है। ईरान के तेल कारोबार से लेकर वैश्विक बैंकिंग नेटवर्क तक, हर रास्ता बंद करने की कोशिश की जा रही है, जिससे ईरान पर चौतरफा दबाव बनाया जा सके। बढ़ते इस तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने अपना रुख साफ किया है कि वह ईरान पर और सख्त प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। इसमें उन देशों और बैंकों पर भी कार्रवाई शामिल हो सकती है, जो ईरान के तेल कारोबार से जुड़े हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यह कदम ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी के तहत उठाया जा रहा है। उनका कहना है कि पिछले एक साल से ईरान पर मैक्सिमम प्रेशर यानी अधिकतम दबाव बनाया जा रहा है। इस बात को ऐसे समझिए कि अमेरिका अब उन देशों से भी सख्त कदम उठाने को कह रहा है, जिनके पास ईरान से जुड़े पैसे हैं। खासकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर और ईरानी नेतृत्व से जुड़े फंड को फ्रीज करने की मांग की जा रही है। ऐसे में अमेरिका ने साफ चेतावनी दी है कि अगर कोई देश ईरानी तेल खरीदता है या उसके पैसे अपने बैंकों में रखता है, तो उस पर सेकेंडरी सैंक्शन यानी अप्रत्यक्ष प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसके इतर अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने बताया कि चीन के कुछ बैंकों को पहले ही चेतावनी दी जा चुकी है। अगर उनके जरिए ईरान के पैसे का लेन-देन पाया गया, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। अमेरिका ने यह भी कहा है कि वह ईरान के तेल से जुड़ी सामान्य छूट (लाइसेंस) को आगे नहीं बढ़ाएगा। इसका मतलब है कि ईरान के लिए तेल बेचकर कमाई करना और मुश्किल हो जाएगा। गौतरलब है कि अमेरिका का कहना है कि हाल ही में ईरान की कुछ गतिविधियों, खासकर पड़ोसी खाड़ी देशों के साथ तनाव, की वजह से अब कई देश भी सतर्क हो गए हैं और पैसे के लेन-देन पर ज्यादा नजर रख रहे हैं।

अमेरिका की नाकेबंदी के बाद होर्मुज से गुजरा पहला तेल टैंकर, अमेरिकी नौसेना की चेतावनी

दुबई, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित वार्ता को लेकर सकारात्मक संकेतों के बीच गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। व्हाइट हाउस ने कहा है कि उसे पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए ईरान के साथ नई वार्ता की संभावना को लेकर आशा है, जिसके बाद बाजार में नरमी देखी गई। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, ब्रेंट क्रूड की कीमत 44 सेंट यानी 0.5% गिरकर 94.49 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 70 सेंट यानी 0.8% टूटकर 90.59 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष मानवाधिकार विशेषज्ञ ने दक्षिणी लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसे डोमिसाइड (घर-उजाड़ अभियान) करार दिया है। संयुक्त राष्ट्र में आवास के अधिकार पर विशेष प्रतिवेदक बालकृष्णन राजगोपाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस्राइली सेना दक्षिणी लेबनान में वही रणनीति अपना रही है, जो उसने गाजा पट्टी और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में अपनाई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें डोमिसाइड और जनसंख्या को विस्थापित करना, बफर जोन के जरिए जमीन पर कब्जा और बस्तियों के माध्यम से वास्तविक कब्जा (डी-फैक्टो एनेक्सेशन) जैसी रणनीतियां

शामिल हैं। राजगोपाल ने इस्राइल से तुरंत लेबनान में बमबारी रोकने की अपील की है। उन्होंने पहले डोमिसाइड को हिंसक संघर्ष के दौरान नागरिकों के घरों के बड़े पैमाने पर और मनमाने ढंग से किए गए विनाश के रूप में परिभाषित किया था। माल्टा का ध्वज लगे एक जहाज ने होर्मुज जलडमरूमध्य से पश्चिम की ओर यात्रा शुरू की। यह पहला कच्चा तेल ले जाने वाला टैंकर बताया जा रहा है, जब से अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी लगाई है। यह जानकारी दुनिया भर में जहाजों की निगरानी करने वाले शिपिंग ट्रैकिंग मॉनिटर के हवाले से दी गई है।

माल्टा का ध्वज लगा तेल टैंकर अगियोस फैनोरियोस-गुरुवार को इराक के बसरा बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद है, जहां अमेरिका की नाकेबंदी लागू नहीं है। मरीन ट्रैफिक के अनुसार, यह जहाज ओमान की खाड़ी में लगभग दो दिन तक रुका रहा और फिर उसने दोबारा मार्ग तय किया।

इस बीच, अमेरिका की नौसेना ने कहा कि वह ईरान के आसपास व्यापारिक जहाजों पर कार्रवाई करने के लिए तैयार है। अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों ने क्षेत्र में मौजूद व्यापारिक जहाजों को चेतावनी दी है कि वे जहाजों को रोक सकते हैं और नाकेबंदी लागू करने के लिए बल प्रयोग कर सकते हैं।

ईरानी बंदरगाहों की ओर या वहां से आने-जाने वाले जहाजों को रोका जा सकता है और जब्त किया जा सकता है। यह संदेश अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) की ओर से सोशल मीडिया पर भी साझा किया गया है। एक सैन्य अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर पुष्टि की कि यह संदेश इस समय क्षेत्र के सभी जहाजों को प्रसारित किया जा रहा है। रेडियो संदेश में आगे कहा गया, अगर आप नाकेबंदी का पालन नहीं करेंगे, तो बल प्रयोग किया जाएगा।

आईसीसी ने जारी किया महिला टी20 इंटरनेशनल चैलेंज ट्रॉफी का शेड्यूल

टूर्नामेंट 19 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई तक चलेगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रवांडा में आयोजित होने वाली पहली महिला टी-20 इंटरनेशनल चैलेंज ट्राफी का कार्यक्रम जारी कर दिया है। टूर्नामेंट 19 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई तक चलेगा। इसका आयोजन किगाली शहर में होगा, जहां गहांगा क्रिकेट स्टेडियम के दो सटे मैदानों पर मैच खेले जाएंगे।

कार्यक्रम के अनुसार, पांच टीमों के इस टूर्नामेंट के पहले दिन इटली का मुकाबला मेजबान रवांडा से होगा, जबकि नेपाल का सामना अमेरिका से होगा। वानुअतु को पहले दिन बाई मिली है और 19 अप्रैल को वह रवांडा से भिड़ेगी। यह टूर्नामेंट आईसीसी द्वारा शुरू किया गया एक नया आयोजन है, जिसका उद्देश्य सहयोगी सदस्य टीमों को अधिक अवसर प्रदान करना है। यह इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के साथ जुड़ता है, जिसका पहला संस्करण पिछले नवंबर में हुआ था, और यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अवसरों का विस्तार करने के प्रयासों का हिस्सा है।

इस प्रतियोगिता में आईसीसी के पांचों क्षेत्रों की शीर्ष रैंकिंग वाली टीमें भाग ले रही हैं, जो इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थीं। सभी पांचों प्रतिभागी टीमों ने 2025 के क्षेत्रीय महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर में अपने प्रदर्शन के आधार पर टूर्नामेंट में जगह बनाई है। डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाने वाला यह टूर्नामेंट 2 मई तक चलेगा और इसका उद्देश्य लगातार उच्च गुणवत्ता वाला मैच अनुभव प्रदान करना है। यह पहल वैश्विक स्तर पर महिला क्रिकेट को मजबूत करने और उभरती टीमों को मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करने के आईसीसी के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

यह आयोजन महिला टी20 वर्ल्ड कप के विस्तार के अनुरूप भी है, जिसमें 2026 तक 12 टीमें शामिल हो जाएंगी और 2030 तक 16 टीमों तक विस्तार करने की योजना पहले ही पुष्ट हो चुकी है। नेपाल और अमेरिका इस टूर्नामेंट में मजबूत दावेदार के रूप में प्रवेश कर रहे हैं, क्योंकि दोनों ने इस वर्ष की शुरुआत में हुए नवीनतम ग्लोबल क्वालीफायर में भाग लिया था। आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में 21वें स्थान पर काबिज नेपाल, प्रतियोगिता में सबसे उच्च रैंकिंग वाली टीम है। वहीं, वर्तमान में 30वें स्थान पर काबिज वानुअतु ने पिछले साल फिजी में आयोजित ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना स्थान पक्का किया, जहां उन्होंने 20वें स्थान पर काबिज इंडोनेशिया को हराया था।

18 अप्रैल	रवांडा बनाम नेपाल	अमेरिका बनाम वानुअतु
रवांडा बनाम इटली	अमेरिका बनाम वानुअतु	**28 अप्रैल**
नेपाल बनाम अमेरिका	**24 अप्रैल**	रवांडा बनाम नेपाल
19 अप्रैल	नेपाल बनाम वानुअतु	इटली बनाम वानुअतु
रवांडा बनाम वानुअतु	इटली बनाम अमेरिका	**3 अप्रैल**
इटली बनाम नेपाल	**26 अप्रैल**	इटली बनाम अमेरिका
21 अप्रैल	रवांडा बनाम वानुअतु	नेपाल बनाम वानुअतु
रवांडा बनाम अमेरिका	अमेरिका बनाम नेपाल	**1 मई**
वानुअतु बनाम इटली	**27 अप्रैल**	रवांडा बनाम अमेरिका
22 अप्रैल	रवांडा बनाम इटली	इटली बनाम नेपाल

अगले हफ्ते धोनी आईपीएल में वापसी कर सकते हैं

वानखेड़े या चेपॉक में खेल सकते हैं; अभी काफ इंजरी से रिकवरी कर रहे हैं

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अगले हफ्ते आईपीएल में वापसी कर सकते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया ने टीम सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि उनकी चोट में तेजी से सुधार हो रहा है और वह आने वाले बड़े मुकाबलों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

धोनी को आईपीएल शुरू होने से करीब एक हफ्ते पहले प्रैक्टिस सेशन के दौरान पिंडली में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वह टूर्नामेंट के शुरुआती तीन हफ्तों में नहीं खेल पाए।

अब उनकी वापसी को लेकर कयास तेज हो गए हैं। संभावना है कि धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतर सकते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो वह 26 अप्रैल को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ चेपॉक स्टेडियम में खेलते नजर आ सकते हैं।

इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर हो सकता है इस्तेमाल

धोनी की वापसी के बाद सीएसके उन्हें किस भूमिका में रखेगी, यह देखना दिलचस्प होगा। वर्तमान में संजू सैमसन विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और संभावना है कि वे ही इसे जारी रखेंगे। ऐसे में टीम धोनी को 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर इस्तेमाल कर सकती है। इससे धोनी पर विकेटकीपिंग और दौड़ने का अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा और टीम उनकी पावर-हिटिंग का फायदा उठा सकेगी।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में नहीं खेलेंगे – चेन्नई सुपर किंग्स का अगला मुकाबला शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद से होना है। हालांकि, इस मैच में धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे। टीम मैनेजमेंट उनकी फिटनेस को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता। सीएसके के सूत्रों ने कहा, धोनी अभी रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। हम उनकी फिटनेस के साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, इसलिए उन्हें पूरी तरह फिट होने का समय दिया जा रहा है।

प्रैक्टिस सेशन में की लंबी बल्लेबाजी, रेंज हिटिंग पर फोकस – भले ही धोनी मैच नहीं खेल रहे हैं, लेकिन वे नेट प्रैक्टिस में लगातार पसीना बहा रहे हैं। धोनी ने हाल ही में नेट्स पर लंबी बल्लेबाजी की है। इस दौरान उन्होंने अपनी रेंज हिटिंगपर खास काम किया। नेट सेशन के दौरान धोनी पुराने अंदाज में लंबे छक्के लगाते दिखे, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि वे अपनी लय हासिल कर चुके हैं।

निहाल नें जीता मेनोर्का मास्टर्स रैपिड शतरंज का खिताब

मेनोर्का, स्पेन (एजेंसी)। भारतीय शतरंज ग्रैंड मास्टर निहाल सरीन नें पाँचवें मेनोर्का मास्टर्स शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है, उन्होंने छह खिलाड़ियों के बीच हुए 10 राउंड के दोहरे राउंड रोबिन मुकाबले में 6 अंक बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया वहीं विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम चार बाज़ियों में 3 हार के चलते 4.5 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहे। निहाल नें 10 बाज़ियों के दौरान चार

बाजियाँ जीती जिसमें उन्होंने गुकेश के ख़िलाफ़ दोनों बाजियाँ जीती जबकि हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट और भारत के पेंटाला हरिकृष्णा के ख़िलाफ़ उन्होंने एक एक बाजी जीती, चार बाजियाँ ड्रा रही जबकि दो बाज़ियों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। यूक्रेन के रुसलान पोनोमारियोव और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट 5.5 अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे, गुकेश नें चौथे राउंड में हरिकृष्णा, छठे राउंड में डोमिंगेज के ख़िलाफ़ जीतकर रफ़्तार पकड़ी थी पर वह उसे बरकरार नहीं रख पाये हालांकि नौवे राउंड में उन्होंने हरिकृष्णा को मात देकर तीसरी जीत दर्ज की थी, गुकेश नें कुछ दिन पहले क्लासिकल शतरंज से थोड़ा ब्रेक लेने का निर्णय लिया था और इस साल के अंत में उन्हें अब उज़्बेकिस्तान के जवोखीर सिंदारोव के खिलाफ़ अपने खिताब की रक्षा करने के लिए उतरना है।

डी कॉक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ जड़ा धमाकेदार शतक, टूट गया धोनी का रिकॉर्ड

आईपीएल में विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज़्यादा 50+ स्कोर

- 31- केएल राहुल
- 25 - क्विंटन डी कॉक*
- 24 - एमएस धोनी
- 21- दिनेश कार्तिक
- 21-ऋषभ पंत
- 20- संजू सैमसन

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के ओपनर क्विंटन डी कॉक ने धमाकेदार बल्लेबाजी की. आईपीएल 2026 में पहला मैच खेल रहे डी कॉक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ शतक जड़ा. यह इस सीजन का दूसरा शतक और डी कॉक का तीसरा शतक है. वहीं आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए डी कॉक का यह पहला शतक है। डी कॉक ने 53 बॉल में अपना शतक पूरा किया. यह उनका तीसरा आईपीएल शतक है. इससे पहले उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलते हुए यह कारनामा किया था. डी कॉक ने 60 बॉल में 112 रन की पारी खेली. उनकी इस पारी में आठ चौके और सात छक्के शामिल थे. 2014 में मोहाली में लेंडल सिमंस के 100* (61) के बाद आईपीएल में पीबीकेएस के खिलाफ मुंबई के किसी बल्लेबाज की तरफ से बनाया गया यह दूसरा शतक है डी कॉक ने नमन धीर (50) के साथ 122 रन की साझेदारी की, जिससे मुंबई इंडियंस की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 195 रन बनाए।

आईपीएल में डी कॉक का शतक

- 108 (51), डीडी बनाम आरसीबी, बेंगलुरु, 2016
- 140* (70), एलएसजी बनाम केकेआर डीबाय पाटिल , 2022
- 101* (53), मुंबई बनाम पीबीकेएस बानखेड़े , 2026

डी कॉक ने तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड

डी कॉक ने इस पारी के साथ एमएस धोनी का रिकॉर्ड भी तोड़ डाला. वह आईपीएल में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए. उन्होंने 25 बार यह कारनामा किया है. धोनी ने बतौर विकेटकीपर आईपीएल में 24 बार 50 प्लस का स्कोर बनाया है।

अर्शदीप सिंह का मुंबई के खिलाफ डबल-स्ट्राइक, लगाई शानदार 'सेंचुरी'

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 24वां मैच मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच खेला जा रहा है. मुंबई के वानखेड़े मैदान पर खेले जा रहे इस मैच में श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर मुंबई को बल्लेबाजी का न्योता दिया. मुंबई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अर्शदीप सिंह ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया. अपने दूसरे ही ओवर में उन्होंने मुंबई को लगातार गेंदों पर दो झटके दे दिए. इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में अपने 100 विकेट भी पूरे कर लिए।

- **आईपीएल में 100 विकेट पूरे किए** – मुंबई की पारी के तीसरे ओवर में बाएं हाथ के इस पेसर ने पहले रियान रिकल्टन का विकेट लिया. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने ऑन साइड की गेंद पर हवाई फ्लिक किया. यह गेंद बहुत अच्छी नहीं थी लेकिन रिकल्टन इसका फायदा नहीं उठा पाए. गेंद टप्पा खाने के बाद उनके पैड पर आई. रिकल्टन का शॉट हालांकि सीधा फील्डर के हाथों में गया. डीप स्क्वेअर लेग पर खड़े शशांक सिंह ने आसान सा कैच लपका.
- **हार्दिक पंड्या के आईपीएल में 150 सिक्स पूरे** – 18वें ओवर की पहली गेंद पर हार्दिक पंड्या ने छक्का लगाकर आईपीएल में अपने 150 सिक्स पूरे किए। मार्को यानसन की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर हार्दिक ने सामने की ओर शॉट खेला और गेंद बाउंड्री के पार गई। 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर हार्दिक पंड्या आउट हो गए।

विपराज ने कहा-स्टेट लीग के अनुभव ने बढ़ाया मेरा कॉन्फिडेंस

आईपीएल जैसे हाई-प्रेशर टूर्नामेंट में तैयारी के लिए मिलता है बहुत कम समय

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल जैसी दुनिया की सबसे तेज और हाई-प्रेशर लीग में खेलने के लिए यंग प्लेयर्स को मानसिक रूप से मजबूत होना पड़ता है। 21 साल के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी विपराज ने बताया कि इस लेवल पर परफॉर्म करने के लिए स्टेट लीग का अनुभव और प्रैक्टिस कैंप की प्लानिंग सबसे ज्यादा काम आती है। दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर विपराज निगम ने आईपीएल 2026 के राइवलरी वीक के दौरान गुरुवार को जियोस्टार प्रेस रुम में मीडिया से बात की।

प्रैक्टिस सेशन में ही मैच की प्लानिंग

विपराज ने कहा, आईपीएल एक बहुत ही फास्ट लीग है, जहां खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और खेल के बारे में सोचने के लिए बहुत कम समय मिलता है। इसी वजह से वे अपने प्रैक्टिस सेशन्स और कैंप्स के दौरान ही यह तय कर लेते हैं कि मैच में किस तरह का प्रदर्शन करना है। वे अपनी प्लानिंग के अनुसार ही प्रैक्टिस सेशन में खुद को ढालते हैं।इसके अलावा विपराज ने अपनी सफलता में स्टेट लीग की भूमिका को अहम बताया।

कौन हैं विपराज निगम?

विपराज निगम का जन्म 28 जुलाई, साल 2004 में उत्तर प्रदेश में हुआ था। आईपीएल 2025 के लिए हुए ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स की फ्रेंचाइजी ने उन्हें 50 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा था। विपराज दाहिने हाथ से बल्लेबाजी के साथ-साथ लेगब्रेक गेंदबाजी करने में माहिर हैं।

डेब्यू पर सुर्खियां बटोरीं

विपराज का डेब्यू शानदार रहा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए डेब्यू करते हुए रुस्त के खिलाफ मैच में 15 गेंदों में 39 रन की विस्फोटक पारी और एक विकेट (ऐडन मार्करम) लेकर सुर्खियां बटोरीं। विपराज ने यह पारी तब खेली जब दिल्ली कैपिटल्स 13वें ओवर में 113/6 पर थी और 210 के टारगेट का पीछा कर रही थी।

विपराज का घरेलू करियर

विपराज ने करियर की शुरुआत बतौर बैटिंग-ऑलराउंडर की थी। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अब तक 6 मैच खेले हैं। इस बीच उनको 10 पारियों में 20 विकेट लिए हैं। इसके अलावा लिस्ट में 16 मैच में 19, जबकि 31 टी-20 33 विकेट चटकाए हैं। फर्स्ट क्लास की 9 पारियों में 135, लिस्ट ए की 7 पारियों में 48 और टी-20 में 241 रन बनाए हैं।

क्रिकेट कनाडा में करप्शन को लेकर आईसीसी की जांच

टी-20 वर्ल्डकप में न्यूजीलैंड और कनाडा का मैच भी शक के दायरे में

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) क्रिकेट कनाडा से जुड़े भ्रष्टाचार के दो मामलों की जांच कर रही है। इस जांच के दायरे में हाल ही में भारत और श्रीलंका में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप का एक मैच भी शामिल है। इसके अलावा, इंटरनेशनल और घरेलू लेवल पर एंटी-करप्शन कोड के संभावित उल्लंघनों की भी पड़ताल की जा रही है। आईसीसी ने यह जांच कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर सीबीसी के कार्यक्रम में प्रसारित डॉक्यूमेंट्री 'करप्शन, क्राइम एंड क्रिकेट' में लगाए गए आरोपों के बाद शुरू की। 43 मिनट की इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच का एक ओवर शक के घेरे में – डॉक्यूमेंट्री में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए मैच का जिक्र किया गया है।

रिकॉर्ड जीत के साथ 'कैंडिडेट्स' जीते 20 साल के सिंदारोव

अब 19 वर्षीय गुकेश से सामना; दोपहर में नींद से बचने के लिए चुना था चेस

पेजिया (साइप्रस) (एजेंसी)। उज्बेकिस्तान के 20 वर्षीय ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने 'कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट' जीता। 13 मैचों में अजेय रहते हुए उन्होंने 6 जीत दर्ज की, जो 2013 में राउंड रॉबिन फॉर्मेट आने के बाद से इस टूर्नामेंट का रिकॉर्ड है। अब वर्ल्ड चैम्पियनशिप में उनका सामना भारत के मौजूदा चैम्पियन 19 साल के डी. गुकेश से होगा। सिंदारोव के पास 2004 के बाद उज्बेकिस्तान को पहला और ओवरऑल सिर्फ दूसरा चैम्पियन देने का मौका है। दूसरी ओर, गुकेश

इन दिनों फॉर्म से जूझ रहे हैं और टॉप-10 से भी बाहर हो गए हैं।

सिंदारोव - कभी वीडियो गेम्स की लत लग गई थी – सिंदारोव ने साढ़े चार साल की उम्र में किंडरगार्टन में दोपहर की नींद से बचने के लिए शतरंज चुना। ट्रेनिंग के बाद 6 महीने में ही दादाजी को हराने लगे और 12 की उम्र में दुनिया के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर्स में शुमार हो गए। बीच में वीडियो गेम्स की लत के कारण उनकी रेटिंग गिर गई। हालांकि, कोविड में वापस करियर पटरी पर लाए।

- **गुकेश - चैम्पियंस का वॉलपेपर लगाकर तैयारी करते** – गुकेश के लैपटॉप का वॉलपेपर दुनिया के 16 विश्व चैम्पियनों की तस्वीरों से सजा था। वे रोज उसे देखते और उन्हीं के बीच होने का सपना बुनते। दिसंबर 2024 में जब खुद विश्व चैम्पियन बने, तो उस ऐतिहासिक फेहरिस्त में उनका नाम भी जुड़ गया। 2021 के लॉकडाउन में उन्हें फिल्मों की ऐसी लत लगी कि वे दिन में दो-दो फिल्में देखने लगे। जैसे ही अहसास हुआ कि यह शतरंज को नुकसान पहुंचा रहा है, उन्होंने तुरंत फिल्मों पर ब्रेक लगा दिया। दही-चावल खाने के शौकीन गुकेश को शतरंज का जुनून ऐसा था कि क्लास टॉपर होने के बावजूद चौथी क्लास के बाद स्कूल छोड़ दिया था।

गांव में पक रही थी 'खामोश मौत', दरवाजा खुलते ही सामने आया डरावना सच

रायगढ़ में वन्यप्राणी के मांस का खुलासा, घरों से मिला पकाया हुआ मांस, 4 आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। एक साधारण से दिखने वाले गांव में कुछ ऐसा पक रहा था, जिसका खुलासा होते ही वन विभाग भी सन्न रह गया। 16 अप्रैल को वनमंडल अंतर्गत रायगढ़ वन परिक्षेत्र के ग्राम देलारी में वन्यप्राणी का मांस पकाए जाने की गुप्त सूचना मिली। सूचना इतनी गंभीर थी कि तुरंत कार्रवाई करते हुए उप वनमंडलाधिकारी के निर्देश पर टीम ने संबंधित घरों पर दबिश दी। जब दरवाजे खुले, तो अंदर का नजारा चौंकाने वाला था। तलाशी के दौरान अलग-अलग आरोपियों के घरों से पकाया हुआ वन्यप्राणी मांस बरामद किया गया। आत्माराम के घर से 0.400 किलोग्राम, हरिशंकर साव के घर से 1.400 किलोग्राम और तरुण के घर से 0.500 किलोग्राम मांस जब्त किया गया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि करीब 1 किलोग्राम मांस पहले ही पकाकर खाया जा चुका था, जिसकी पुष्टि खुद आरोपियों ने अपने बयान में की। इस पूरे मामले में वन विभाग ने पीओआर प्रकरण क्रमांक 7541/08, दिनांक 16 अप्रैल 2026 के तहत केस दर्ज कर लिया है। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और नियमानुसार उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। वन विभाग इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए आगे की जांच में जुट गया है। अधिकारियों का कहना है कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर जंगलों के बेजुबान जानवर कब तक इस तरह शिकार बनते रहेंगे, और कब ऐसे मामलों पर पूरी तरह लगाम लग पाएगी।

विकसित भारत में मजदूर बेहाल प्रदेश में भी मजदूरों की स्थिति खराब श्रम सम्मान राशि देने की मांग

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:- कांकेर केंद्र की विकसित भारत में देश और प्रदेश के मजदूर बेहाल है। आज एक प्रेस बयान जारी कर नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के राज्य सचिव भाव सिंह कश्यप ने कहा कि देश के राजधानी दिल्ली के आस पास राजस्थान, हरियाणा, उत्तरप्रदेश में मजदूर अपनी न्यूनतम मजदूरी पाने के लिए, ओवरटाइम के डबल मजदूरी, दिन में 12 घंटे के बदले 8 घंटे काम करने, साप्ताहिक अवकाश की मांग को लेकर संघर्षरत है। मजदूर नेता ने कहा इनमें से अधिकांश मजदूर ही ठेका मजदूर है जिन्हें ठेकेदार श्रम कानून के तहत मजदूरों को मिलने वाले न्यूनतम मजदूरी देने के बदले महज 10 से 11 हजार रुपए वेतन देते है। दिल्ली जैसे या उसके आसपास रहने वाले इन मजदूरों को 11 हजार रुपए में परिवार का भरण पोषण कर बच्चों की शिक्षा देना संभव नहीं है। श्री सिंह ने बताया छत्तीसगढ़ में भी मजदूरों की स्थिति और भी भयानक है। पिछले एक वर्ष मजदूरी में सिर्फ 9 रुपए की ही बढ़ोतरी सायं सरकार ने की है। प्रदेश में प्लेसमेंट कर्मचारियों को भी 11 हजार रुपए मासिक वेतन मिलता है। सरकार जो श्रम सम्मान चार हजार रुपए श्रमिकों को देने का आदेश जारी किया था वो भी निकाय कर्मचारियों को नहीं मिलता है। आदेश सिर्फकागजी बनकर रहा गया, धरातल पर इसे लागू नहीं किया गया है। निकाय कर्मचारी भी साप्ताहिक, आकस्मिक अवकाश से वंचित है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार मजदूरों के हित में नीति बनाने के बदले मालिकों की हितों को ही प्राथमिकता देती है। नए श्रम कोड इसी का सबूत है जिसमें श्रमिकों के अर्जित अधिकारों को छीना गया है और मजदूर विरोधी नियमों को श्रम कोड में लाया गया है। यूनियन नेता ने कहा कि दिल्ली के आसपास में नोएडा के मजदूरों के आंदोलन को कुचलने के लिए उत्तरप्रदेश सरकार की पुलिस ने मजदूरों पर लाठीचार्ज, आशु गैस का गोला, पानी कमान का उपयोग कर 400 से अधिक श्रमिकों। को गिरफ्तार किया है जो कि निंदनीय है।

उन्होंने प्रदेश की सांय सरकार से मजदूरों को सम्मानजनक वेतन के साथ, श्रम सम्मान राशि भुगतान करने, श्रम कानून के सभी अधिकार श्रमिकों को देने की मांग किया है।

बगलेडी में अवैध बोर उत्खनन पर कार्रवाई, वाहन जब्त कर थाना साजा को सौंपा गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिले के अंतर्गत तहसील साजा के ग्राम बगलेडी में प्रशासन द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बगलेडी में बिना अनुमति के अवैध रूप से बोर उत्खनन किया जा रहा था। मामले की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जहां अवैध उत्खनन कार्य करते हुए एक वाहन पाया गया। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा आवश्यक अनुमति लिए बिना ही बोर उत्खनन किया जा रहा था, जो कि नियमों का उल्लंघन है। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त वाहन को जब्त कर लिया। जब्त किए गए वाहन को विधिसम्मत कार्रवाई हेतु थाना साजा के सुपुर्द कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा मामले की आगे की जांच की जा रही है तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध उत्खनन जैसी गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह नहीं करने कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे की अपील

बाल विवाह रोकने जिला प्रशासन सख्त

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की संभावना को मद्देनजर जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार उत्तम प्रसाद जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में बाल विवाह रोकने के लिए जिला प्रशासन एक्शन मोड में है। सभी विभागों को रणनीति के साथ विस्तृत दिशा-निर्देश दिए है। लगातार निगरानी और सतर्कता के बाद इसमें कमी आई है। बाल विवाह की सूचना पर तत्काल बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, नजदीकी थाना प्रभारी, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, महिला हेल्प लाइन 181 या आपातकालीन सेवा 112 पर जानकारी देने का अनुरोध किया गया है।कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा है, जो बालिकाओं के सर्वांगीण, मानसिक और शिक्षा के विकास को प्रभावित करता है। रविवार को अक्षय तृतीया का पर्व है जिसमें बहुत सारी शादियां होती हैं। प्राय देखने को मिलता है कि बालक एवं बालिकाओं का उम्र कम होने पर भी शादियां की जाती हैं। लड़की का उम्र 18 वर्ष और लड़के का उम्र 21 वर्ष पूर्ण होना विवाह के लिए अनिवार्य है। कलेक्टर ने सभी जिले वासियों से अपील किया है कि बाल विवाह की कोई घटना उनकी जानकारी में आने पर, वह प्रशासन, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, पुलिस थाना को सूचना दे ताकि जिले में बाल विवाह की घटना की रोकथाम करें और हम अपने जिले को बाल विवाह मुक्त जिला की ओर अग्रसर करें।

जागरूकता अभियान और समाज प्रमुख से सहयोग की अपील

रविवार 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर विशेष सतर्कता बरतने एवं बाल विवाह प्रकरणो को रोकने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग ने टीम गठन किया है। गठित टीम जिले भर में सक्रिय रहकर संदिग्ध विवाहों पर नजर रखेंगी तथा आवश्यकता अनुसार त्वरित कार्यवाही करेगी। विभाग के निर्देशों के बाद विभागीय अमला फील्ड में निगरानी कर रहा है। बाल विवाह में कमी लाने के लिए विभाग द्वारा विद्यालय, महाविद्यालय, पंचायत, नगरीय निकाय, धार्मिक स्थल स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाया गया। समाज प्रमुखों को बाल विवाह न होने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही समाज में बाल विवाह न हो इसके लिए सभी समाज प्रमुखों को अपने स्तर पर सामाजिक बैठक लेकर बाल विवाह रोकने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत जिले में सभी संबंधित विभागों, पंचायत प्रतिनिधियों और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सहयोग की अपील की है।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ : गर्मी में आंखों की बीमारियों से बचें

सारंगढ बिलाईगढ़ जिला कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एफ आर. निराला द्वारा जनहित में जारी गर्मी में धूप, धूल, पसीना, बैक्टीरिया और वायरस के कारण आंखों की बीमारियां तेजी से फैलती हैं। जागरूकता ही बचाव है।

1. कंजंक्टिवाइटिस - आंख आना / श्व4द्द स्न्ब्यह्व आंख लाल होना, पानी आना, चिपचिपा कीचड़, खुजली, जलन, दर्द वायरस/बैक्टीरिया, गर्मी में तेजी से फैलता है,बार-बार हाथ धोएं, आंखें न छुएं, तौलिया-रुमाल व आई ड्रॉप शेयर न करें

2. ड्राई आई - आंखों का सूखापन

- लक्षणः आंखों में सूखापन, चुभन, जलन, किरकिराहट। सूखने से आंख को अंदरूनी नुकसान भी हो सकता है

वजह तेज गर्मी, लू,ॅष्ट की हवा, पंखे की सीधी हवा

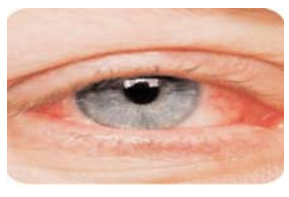

बचाव दोपहर 12 से 3 बजे घर से न निकलें। निकलना जरूरी हो तो सिर पर गमछा बांधें, रंगीन चश्मा पहनें, खाना खाकर जाएं, कॉटन के कपड़े पहनें, पानी साथ रखें और बीच-बीच में पीते रहें। डॉक्टर से पूछकर लुब्रिकेटिंग आई ड्रॉप डालें। लू से भी बचाव करें।

3. स्टाई / गुहेरी - Eyelid Pimple

- लक्षणः पलक पर दर्द भरी फुंसी, सूजन

पसीना, धूल से पलक के रोमछिद्र बंद होना

-चेहरा साफ रखें, गंदे हाथों से आंख न छुएं

4. एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस

लक्षण बहुत तेज खुजली, पानी आना, आंखें लाल

वजह धूल, पोलन, गर्मी में बढ़े एलर्जन

बचाव बाहर निकलें तो सनग्लास पहनें, आंखों को ठंडे पानी से धोएं

5. सोलर रेटिनोपैथी - डैमेज

धुंधला दिखना, रंग अलग दिखना

बिना प्रोटेक्शन के सीधे सूरज या ग्रहण देखना -400 प्रोटेक्शन वाला चश्मा पहनें

गर्मी में आंखों की देखभाल के 5 जरूरी टिप्सः

1. बाहर निकलते ही - प्रोटेक्टेड सनग्लास लगाएं 2 दिन में 2-3 बार ठंडे साफपानी से आंखें धोएं 3 गंदे हाथों से आंखें बिल्कुल न छुएं 4 खूब पानी पिएं, इससे ड्राई आई नहीं होगी 5शेयर न करें, रात को लेंस निकालकर सोएं

तुरंत डॉक्टर के पास कब जाएं?

आंख बहुत लाल हो, पीला-हरा कीचड़ आए, रोशनी बर्दाश्त न हो, या दिखना कम हो जाए।

उपकोषालय अधिकारी घरघोड़ा पर लगे घूसखोरी के आरोप, महिला कर्मचारी से चिकित्सा व्यय पास कराने मांगी गई रिश्वत, मुख्यमंत्री से लेकर कलेक्टर से शिकायत

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले में इन दिनों शासकीय अधिकारियों के द्वारा घूसखोरी की प्रथा चरम पर है। मोटी सेलरी पाने वाले अधिकारी अपने काम के बजाए रिश्वत पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। घरघोड़ा में एक ऐसा ही मामला इन दोनों काफी चर्चा में है। एक महिला कर्मचारी के डिलीवरी व्यय के भुगतान के लिए घरघोड़ा के उप कोषाधिकारी ने 5000 की रिश्वत हड़प ली। इसके बाद महिला के पति ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से लेकर कलेक्टर से की है। उन्होंने घूसखोर उप कोषालय अधिकारी पर कार्यवाही की मांग की है लेकिन शिकायत के इतने दिनों बाद भी जिला प्रशासन के द्वारा घूसखोर अधिकारी के विरुद्ध किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई। शिकायतकर्ता राजेश कुमार पटनायक निवासी ग्राम पंचायत मुड़ागांव, थाना लैलूंगा ने बताया कि उसकी पत्नी श्रीमती सिम्मी पटनायक, सहायक ग्रेड 03, शा. उच्च. माध्य. विद्यालय घटगांव में पदस्थ है । दिनांक 26/10/2024 को मेरी पत्नी ने रायगढ़ के चिकित्सालय में सिजेरियन द्वारा हमारे बच्चे को जन्म दिया, एवं छ. ग. शासन के नियमानुसार उन्होंने चिकित्सा देयक राशि को प्राप्त करने हेतु अपने मुख्यालय में तय प्रारूप पर आवेदन जमा कराया। तत्पश्चात विधिवत उनका आवेदन मुख्यालय से प्रेषित कर सिविल सर्जन शासकीय जिला चिकित्सालय रायगढ़ को भेज दिया गया, जिसके बाद वहां से स्वीकृत कर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा उप कोषालय घरघोड़ा में राशि स्वीकृत कर भेजी जानी थी। किन्तु अपने पद का दुरूपयोग करते हुए उप कोषालय में कार्यरत उप कोषालय अधिकारी मुकेश नायक द्वारा यह कहते हुए मेरी पत्नी की क्लेम की राशि रोक दी गयी कि स्वीकृत चिकित्सा देयक राशि में पांचवा हिस्सा जो लगभग 10000/-रूपये होंगे यदि आप मुझे नहीं देंगे तो मैं आपकी राशि नहीं जारी करूंगा। मेरी पत्नी ने मुकेश नायक से यह तक कहा कि उनके द्वारा क्लेम की गई चिकित्सा देयक राशि कुल 44425 /- (चवालिस हजार चार सौ पचीस रूपये) है जिसमें से यदि दस हजार रूपये मैं आपको दे दूंगी तो बचेगा ही क्या, क्यूंकि हमारा निवास जिला मुख्यालय से 100 च? दूर है जिससे वहां आने जाने में ही बहुत खर्च हो चुके हैं, हमारे 17 माह के बच्चे की देखभाल के साथ साथ उन्हें अपने काम पर जाना पड़ता है, लेकिन इतने के बाद भी उन्हें 2000/- रूपये का छूट प्रदान करते हुए 8000/- रूपये किसी भी तरह देने को कहा एवं वाट्सअप के माध्यम से अपने किसी परिचित जिसका नाम खीरसागर पटेल है, का फ़ोन पे नंबर (7089182297) देकर मानसिक रूप से दबाव बनाकर जबरन उनसे 5000/- रूपये ले लिए, यह भुगतान उनके भारतीय स्टेट बैंक के खाते से किया गया है एवं साक्ष्य के रूप में बैंक स्टेटमेंट सभी वाट्सअप चैट एवं कॉल रिकॉर्डिंग के ऑडियो और वीडियो फूटेज उपलब्ध हैं जो डिजिटली शिकायत पत्र के साथ संलग्न हैं। शिकायत कर्ता ने बताया कि इस घूसखोरी के कारण हमें घोर आर्थिक एवं मानसिक समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर को शिकायत करते हुए कहा गया कि यह अत्यंत दुखद और चिंताजनक है कि एक सरकारी अधिकारी द्वारा दूसरे शासकीय सेवक से इस प्रकार की रिश्वतखोरी की जा रही है, जो पूरी तरह से गंभीर भ्रष्टाचार का मामला प्रतीत होता है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि उप कोषालय अधिकारी मुकेश नायक के विरुद्ध कठोर से कठोर दंडात्मक और सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाए एवं उनके विरुद्ध विभागीय जाँच कराई जाये तथा मुकेश नायक के पिछले कार्यकाल (उप कोषालय में पदस्थापना के दौरान) के सभी प्रकरणो की जाँच की जाए जिससे अन्य पीड़ित व्यक्तियों की भी जानकारी मिले और इनके आय के श्रोत की भी जाच की जाए।

आगामी नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु

ग्राम बावामोहतरा में विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार एवं श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन एवं श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव, सचिव/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशन में आगामी नेशनल लोक अदालत 09 मई 2026 को आयोजित होने वाला है, के संबंध में ग्राम नवागाँव एवं बावामोहतरा में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकार मित्र के द्वारा ग्रामीणों को नेशनल लोक अदालत के महत्व, उसके माध्यम से सुलभ, त्वरित न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा प्रीलिटिगेशन प्रकरणों एवं लंबित प्रकरणों के निराकरण के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित जनसमूह को बताया गया कि लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से विवादों का निवारण कर समय एवं धन की बचत की जा सकती है। साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (ह्वस्र्) एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (स्न्स्र्) की नवीन योजनाओं का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने, महिला एवं बाल संरक्षण, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के संबंध में लोगो को जागरूक किया गया। इसके साथ ही शिविर में उपस्थित ग्रामीणों ने शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होने की बात कही। जिला विधिक सेवा प्राधिकरपा, बेमेतरा के अधिकार मित्र द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे आगामी नेशनल लोक अदालत में अपने प्रकरणों का शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण कराएं। उक्त जागरुकता शिविर में अधिकार मित्र तरुण आनंद, स्वाती कुंजाम व ग्राम रोजगार सचिव सहित ग्रामिणों की उपस्थित रही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित। संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।